सच्ची बात, पाठकों के साथ नागपुर, मंगलवार 2 सितम्बर 2025 @ www.rashtrabaan.in । पृष्ठ :8 । वर्ष :2 । अंक : 274 । मूल्य:₹ 5

राष्ट्रबाण

मध्य भारत का लोकप्रिय दैनिक

।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

मोदी का भाषण सुन उड़ा शहबाज के चेहरे का रंग

SCO के मंच से PAK को सुनाई गई खरी-खरी

राष्ट्रबाण

बीजिंग. शंघाई सहयोग संगठन (SCO) समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद पर सीधा हमला बोला और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया. खास बात यह रही कि मोदी का यह भाषण उस वक्त हुआ जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी

वहीं मौजूद थे. जैसे ही पीएम ने पहलगाम हमले का जिक्र किया शहबाज के चेहरे की हवाइयां उड़ गईं.

क्या बोले पीएम मोदी?

पीएम मोदी ने कहा, हाल ही में हमने पहलगाम में आतंकवाद का बहुत ही घिनौना रूप देखा. इस दु:ख की घड़ी में, जो मित्र देश हमारे साथ खड़े रहे, मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं. यह हमला केवल भारत की अंतरात्मा पर ही आघात नहीं था, यह मानवता में विश्वास रखने वाले हर देश, हर व्यक्ति को खुली चुनौती थी. ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है, क्या कुछ देशों द्वारा आतंकवाद का खुलेआम समर्थन हमें स्वीकार्य हो सकता है?

SCO को लेकर भारत की नीति के 3 स्तंभ

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में SCO को लेकर भारत की नीति के 3 स्तंभ बताए- S यानी Security (सुरक्षा), C यानी Connectivity (कनेक्टिविटी) और O यानी Opportunity (अवसर). उन्होंने कहा कि सुरक्षा, शांति और स्थिरता विकास की नींव हैं, लेकिन आतंकवाद, अलगाववाद और अतिवाद इस राह की सबसे बड़ी चुनौतियां हैं.

आतंकवाद पर किसी भी तरह के डबल स्टैंडर्ड स्वीकार्य नहीं होंगे

उन्होंने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि आतंकवाद पर किसी भी तरह के डबल स्टैंडर्ड स्वीकार्य नहीं होंगे और सभी देशों को एकजुट होकर इसका हर रूप में विरोध करना होगा. पीएम मोदी जब आतंकवाद पर भाषण दे रहे थे तब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ उनके सामने ही बैठे थे.

चीन में दिखा PM मोदी का जलवा

पुतिन ने कार में साथ जाने के लिए 10 मिनट तक किया इंतजार

चीन में दिखी दोस्ती की मजबूत बुनियाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चीन दौरा बेहद ही खास रहा. यहां वह एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए पहुंचे थे लेकिन कई पहलुओं से उनकी यह यात्रा ऐतिहासिक रही. पीएम मोदी ने यहां अपने प्रिय दोस्त व्लादिमीर पुतिन से भी मुलाकात की. दोनों नेताओं की दोस्ती और आपसी बातचीत की देश-विदेश में चर्चा है. खास बात यह है कि पुतिन और मोदी ने एक ही कार में ट्रैवल भी किया. SCO समिट स्थल से होटल तक की यात्रा के दौरान यह दिलचस्प वाकया सामने आया. दरअसल, राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी के साथ एक ही कार से जाने की इच्छा जताई. इसके लिए उन्होंने लगभग 10 मिनट तक इंतजार किया. इसके बाद दोनों नेता पुतिन की 'Aurus' कार में बैठे और कई मुद्दों पर चर्चा की. होटल पहुंचने के बाद भी दोनों नेताओं ने कार में ही लगभग 45 मिनट तक बातचीत जारी रखी.

पीएम मोदी और पुतिन की द्विपक्षीय वार्ता

चीन दौरे पर पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ आर्थिक, वित्तीय और ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की और इन संबंधों में लगातार हो रही प्रगति पर संतोष जताया. पीएम मोदी ने पुतिन से कहा कि यूक्रेन संघर्ष का जल्द से जल्द अंत होना इंसानवता की पुकार है. रूस के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को अपना 'प्रिय मित्र' कहकर संबोधित किया. इसके जवाब में पीएम मोदी ने भी पुतिन से कहा कि मैं हमेशा महसूस करता हूं कि आपसे मिलना एक यादगार अनुभव होता है. पुतिन ने आगे कहा कि भारत और रूस के बीच की विशेष और रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है और समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ रही है.

मराठा आरक्षण का मुद्दा और गहराया फडणवीस की मुश्किलें बढ़ीं

जरांगे का मुंबई में डटे रहने का ऐलान, प्रदर्शनकारी सड़कें खाली करें : बॉम्बे हाईकोर्ट

राष्ट्रबाण

मुंबई. मुंबई में मराठा आरक्षण के मुद्दे पर घिरे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की बड़ी मुश्किल में घिर गए हैं. मनोज जरांगे पाटिल पहले से आजाद मैदान से हटने को तैयार नहीं है तो वहीं दूसरी तरफ बॉम्बे हाईकोर्ट ने मराठा प्रदर्शनकारियों को मंगलवार शाम 4 बजे तक मुंबई की सड़कें खाली करने का निर्देश दिए है, जाहिर है अगर कोर्ट के निर्देश को सुनिश्चित करने के कोई बल प्रयोग हुआ तो स्थिति बिगड़ सकती है. ऐसे में दूसरी बार प्रचंड बहुमत के साथ सीएम बने देवेंद्र फडणवीस पर सभी की नजरें टिकी हैं कि वे कैसे मराठा आंदोलन की चुनौती, हाईकोर्ट की निर्देश और ओबीसी को बिना नाराज किए हुए रास्ता निकालेंगे. गौरतलब हो कि पिछली बार एकनाथ शिंदे सीएम रहते हुए जरांगे को नवी मुंबई से लौटा दिया

आगे कुआं तो पीछे खाई

महाराष्ट्र राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार अब तक के सियासी सफर में देवेंद्र फडणवीस के सामने सबसे बड़ी चुनौती आ खड़ी हुई है. मुंबई की सड़कों पर हजारों की संख्या में मराठा की मौजूगदगी है. ऐसे में सरकार सोच-विचार कर फैसला लेना होगा. जरांगे ओबीसी में शामिल कुनबी के तहत ही मराठाओं को आरक्षण देने की मांग कर रहे हैं. अगर ऐसा होता है तो ओबीसी की नाराजगी नया सिरदर्द बन सकती है. ऐसे में सरकार सामने अगर कुआं हैं तो पीछे खाई है. जरांगे को आजाद मैदान में आने देने का फैसला 'आ बैल मुझे मार जैसा है', जरांगे के जो तेवर हैं. उससे लगता नहीं है कि वे किसी आश्वासन पर ही जालना लौटने को राजी होंगे. गौरतलब हो कि बतौर मुख्यमंत्री गृह विभाग भी फडणवीस के पास है.

'CM फडणवीस ने मांग नहीं सुनी तो 5 करोड़ से ज्यादा लोग मुंबई आएंगे': जरांगे की चेतावनी

मराठा आरक्षण आंदोलन के नेतृत्व कर रहे मनोज जरांगे ने सोमवार को कहा कि अगर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मराठों की मांग नहीं सुनी तो 5 करोड़ से ज्यादा लोग मुंबई आएंगे. उन्होंने मराठा आरक्षण प्रदर्शनकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि मुंबई में आम आदमी को उनके कारण असुविधा का सामना न करना पड़े .हाई कोर्ट ने मनोज जरांगे और उनके समर्थकों को स्थिति सुधारने और मंगलवार (2 सितंबर) तक मुंबई की सभी सड़कें खाली करने का मौका दिया. हाई कोर्ट ने कहा कि मनोज जरांगे के नेतृत्व वाला विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं है और इसमें सभी शर्तों का उल्लंघन किया गया. हाई कोर्ट ने मुंबई में सामान्य स्थिति बहाल करने को कहा है. जरांगे ने सोमवार को अपने अनशन के चौथे दिन से पानी पीना बंद करने का संकल्प लेते हुए कहा कि वह मराठा समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में आरक्षण देने की अपनी मांग को लेकर गोलियां खाने को भी तैयार हैं. उन्होंने सरकार से उपलब्ध रिकॉर्ड को आधार बनाते हुए आरक्षण के आधार पर एक सरकारी आदेश जारी करने की मांग की है.

फास्ट ट्रैक

किसानों की शिकायतों के लिए बनेगा विशेष पोर्टल

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को किसानों की शिकायतों के तुरंत समाधान के लिए एक समर्पित पोर्टल बनाने की घोषणा की और अधिकारियों को किसानों की समस्याओं का शीघ्रता से निपटारा करने के सख्त निर्देश दिए. खबर के मुताबिक, कृषि मंत्री ने किसानों से कॉल सेंटर और अन्य पोर्टलों के जरिये हासिल शिकायतों की समीक्षा के लिए हाई लेवल बैठक की. इस दौरान उन्होंने कहा कि किसानों की शिकायतों, सुझावों और अन्य सहायता के लिए अलग-अलग पोर्टलों के बजाय एक एकीकृत समर्पित पोर्टल बनाया जाए, जिससे किसानों को अधिक सुविधा मिले और उनकी समस्याओं का समय पर एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सके. शिवराज सिंह चौहान नियमित रूप से इस पोर्टल के माध्यम से किसानों से मिली शिकायतों की समीक्षा करेंगे ताकि उनके मुद्दों का शीघ्र निवारण हो सके.

ममता बनर्जी ने केंद्र पर लगाया आर्मी के दुरुपयोग का आरोप

सेना ने दिया करारा जवाब

राष्ट्रबाण

कोलकाता. भारतीय सेना ने सोमवार को मैदान क्षेत्र में गांधी प्रतिमा के पास तृणमूल कांग्रेस द्वारा बनाए गए मंच को हटाने का काम शुरू कर दिया है. यह मंच अन्य राज्यों में पश्चिम बंगाल के बांग्लाभाषी प्रवासी श्रमिकों पर कथित अत्याचार के खिलाफ प्रदर्शन के लिए बनाया गया था. वहीं

टीएमसी की ओर से इस घटना में सरकार द्वारा बल प्रयोग किए जाने का आरोप लगाया गया.

3 दिन से अधिक की नहीं मिलती अनुमति

एक रक्षा अधिकारी ने बताया कि भारतीय सेना (स्थानीय सैन्य प्राधिकार, कोलकाता) उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार मैदान क्षेत्र में 2 दिनों की अवधि के लिए कार्यक्रमों की अनुमति देती है. उन्होंने कहा, 3 दिन से अधिक के कार्यक्रमों के लिए रक्षा मंत्रालय से अनुमति लेनी होती है. रक्षा अधिकारी ने कहा, रकार्यक्रमों के आयोजन की अनुमति 2 दिन के लिए दी गई थी. हालांकि, मंच लगभग एक महीने से लगा हुआ है. अस्थायी ढांचे को हटाने के लिए आयोजकों को कई बार सूचित किया गया लेकिन इसे नहीं हटाया गया.

सेना द्वारा हटाया रहा मंच

उन्होंने कहा कि इसके बाद कोलकाता पुलिस को सूचित किया गया और भारतीय सेना द्वारा मंच को हटाया जा रहा है. मैदान थाने के एक अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर मौजूद सेना के अधिकारियों ने कहा कि हर सप्ताह के अंत में होने वाले प्रदर्शनों के बाद मंच को हटाना पड़ता है. उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए शहर के पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद थे.

4 AK-47, 3 SLR और 1200 कारतूस

झारखंड में 23 लाख के इनामी 9 नक्सलियों का हथियारों के साथ सरेंडर

राष्ट्रबाण

रांची. झारखंड में सुरक्षा बलों को नक्सल मोर्चे पर बड़ी सफलता मिली है. प्रतिबंधित संगठन झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के नौ माओवादी भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद के साथ आत्मसमर्पण कर दिया है. सरेंडर करने वालों में एक स्वयंभू जोनल कमांडर और चार सब-जोनल कमांडर शामिल हैं. इन सभी पर लाखों रुपए का इनाम घोषित था. ये लंबे समय से

रवींद्र यादव पर 5 लाख रुपए का इनाम था. वो 14 मामलों में वांछित चल रहा था. उसने आत्मसमर्पण करते हुए अपने पास मौजूद दो एके-47 राइफल, तीन अन्य राइफल और 1241 जिंदा कारतूस पुलिस को सौंप दिए. इसके अलावा चार सब-जोनल कमांडरों ने भी सरेंडर किया. इनमें अखिलेश रवींद्र यादव (10 केस), बलदेव गंझू (9 केस), मुकेश राम (21 केस) और पवन उर्फ राम प्रसाद (3 केस) शामिल हैं.

पुलिस के लिए सिरदर्द बने हुए थे. लातेहार जिले में हुए सरेंडर को सुरक्षा बल केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं मान रहे.

सूरत में कपड़ा फैक्ट्री में फटा बॉयलर, छाया धुएं का गुबार

दूर तक उठीं आग की लपटें, 2 की मौत

राष्ट्रबाण

सूरत. सूरत में सोमवार शाम को बड़ा हादसा हो गया. सूरत के कड़ोदरा क्षेत्र के जोलवा में स्थित संतोष डाइंग मिल में बॉयलर फटने से 2 मजदूरों की मौत हो गई. आग की चपेट में आने से 22 मजदूर झुलस गए हैं. इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी हैं. सूरत दमकल विभाग और पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंची हुई है. घायल

मजदूरों को अस्पताल भेजा जा रहा है. हादसे के बाद फैक्ट्री में काफी संख्या में मजदूर झुलसे हुए दिखाए दिए, जो दर्द के मारे कराह रहे थे.

अफगानिस्तान भूकंप, 800 लोगों की मौत

2500 घायल, कई गांव पूरी तरह तबाह

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. 1 सितंबर 2025 को पूर्वी अफगानिस्तान के नंगरहर प्रांत में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे 800 लोगों की मौत हो गई और 2500 से ज्यादा लोग घायल हो गए, जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (GFZ) के अनुसार, भूकंप का केंद्र जालालाबाद शहर से 27 किलोमीटर पूर्व में था.

इसकी गहराई मात्र 10 किलोमीटर थी. भूकंप से कई गांव पूरी तरह तबाह हो गए. तालिबान सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि पूर्वी अफगानिस्तान में आए भूकंप में मरने वालों की संख्या 800 से ज्यादा हो गई है. सबसे ज्यादा तबाही दूरदराज के कुनार प्रांत में हुई है. कई गांव पूरी तरह तबाह हो गए. मौके पर राहत और बचाव अभियान चल रहा है. अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (USGS) ने भी इसे 6.0 तीव्रता का बताया, जो रिक्टर स्केल पर मध्यम लेकिन उथले भूकंप को दर्शाता है.

केंद्र और तीव्रता

GFZ और USGS के अनुसार, भूकंप का केंद्र नंगरहर प्रांत के जालालाबाद से 27 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व में था. तीव्रता 6.0 रिक्टर स्केल पर थी, जो मध्यम श्रेणी में आती है. लेकिन गहराई मात्र 10 किलोमीटर होने से इसका असर सतह पर ज्यादा पड़ा. उथले भूकंप ज्यादा तबाही मचाते हैं, क्योंकि कंपन सीधे जमीन पर महसूस होता है. समय रविवार रात 11:47 बजे (स्थानीय समय) था, जब लोग सो रहे थे. दूसरा झटका 4.5 तीव्रता का 20 मिनट बाद आया. तीसरा 5.2 तीव्रता का. अफगानिस्तान हिंदू कुश पर्वत श्रृंखला में है, जहां यूरोएशियन प्लेट, अरबियन प्लेट और इंडियन प्लेट के टकराव से भूकंप आते हैं. यहां सालाना 100 से ज्यादा भूकंप होते हैं, लेकिन 6.0 से ऊपर के दुर्लभ.

व्यापार उसे सालों पहले ऐसा कर देना था: ट्रंप का अब बड़ा बयान

'आखिरकार भारत ने की अब टैरिफ घटाने की पेशकश की'

राष्ट्रबाण

वाशिंगटन. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर भारत के साथ व्यापारिक रिश्तों को लेकर एक पोस्ट शेयर किया. इसमें ट्रंप ने दावा किया कि भारत अमेरिका को भारी मात्रा में सामान बेचता है, जबकि अमेरिका भारत को बहुत कम सामान बेच पाता है, जिसे उन्होंने दशकों से चला आ रहा एकतरफा आपदा करार दिया. डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पोस्ट में कहा, बहुत कम लोग जानते हैं कि हम भारत के साथ बहुत कम व्यापार करते हैं, लेकिन वह अमेरिका के साथ बहुत बड़े स्तर पर व्यापार करता है.

दुनिया में सबसे ज्यादा है भारत का टैरिफ: ट्रंप

उन्होंने भारत पर दुनिया में सबसे ज्यादा इम्पोर्ट ड्यूटी (दूसरे देशों से आने वाले सामान पर आयात शुल्क) लगाने का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत में कारोबार करना मुश्किल हो गया है. ट्रंप ने भारत के रूस से तेल और सैन्य उपकरण खरीदने पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा कि भारत रूस से भारी मात्रा में तेल और सैन्य उपकरण खरीदता है, जबकि अमेरिका से बहुत कम खरीदता है. डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी दावा किया है कि भारत ने अमेरिकी आयात पर अब अपने टैरिफ को न्यूनतम करने की पेशकश की है, लेकिन उन्होंने इसे बहुत देर से उठाया गया कदम बताया. अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, भारत को यह कदम सालों पहले उठाना चाहिए था. ट्रंप का यह पोस्ट ऐसे समय में आया है, जब उनके द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के कारण भारत-अमेरिका के व्यापारिक रिश्ते काफी तनावपूर्ण हो गए हैं.

डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर लगाया है 50% टैरिफ

ट्रंप ने भारतीय आयात पर 50% टैरिफ लगाया है. इसमें 25% बेस लाइन टैरिफ है, और 25% रूस से तेल खरीदने की सजा के रूप में एडिशनल टैरिफ है, जो 27 अगस्त 2025 से लागू हो चुका है. ट्रंप के इस कदम से भारत के टेक्सटाइल, रत्न-आभूषण और समुद्री खाद्य जैसे क्षेत्रों पर असर पड़ा है, जो अमेरिकी बाजार पर निर्भर हैं. अमेरिकी राष्ट्रपति का आरोप है कि भारत तेल खरीदकर रूस को यूक्रेन युद्ध के लिए अपरोक्ष रूप से फंडिंग कर रहा है.

वहीं भारत ने इस टैरिफ को अन्यायपूर्ण और अनुचित बताया है. भारत ने कहा है कि उसका रूस से तेल आयात 1.4 अरब भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए है. भारतीय विदेश मंत्रालय ने यह भी बताया कि कई पश्चिमी देश, जिनमें अमेरिका और यूरोपीय संघ शामिल हैं, खुद रूस से व्यापार करते हैं, फिर भी भारत को अनावश्यक रूप से निशाना बनाया जा रहा है. भारत ने साफ किया है कि वह रूस से तेल खरीद जारी रखेगा, क्योंकि यह उसकी आर्थिक जरूरतों के लिए अनिवार्य है. ट्रंप की टैरिफ नीति भारत-अमेरिका संबंधों के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है, क्योंकि दोनों देश पहले एक-दूसरे को रणनीतिक साझेदार मानते थे. ट्रंप की इस सख्त नीति ने भारत को रूस और चीन जैसे देशों के साथ अपनी साझेदारी मजबूत करने की ओर प्रेरित किया है, जिससे वैश्विक व्यापार और भू-राजनीति में नए समीकरण बन सकते हैं. रूस तो वैसे भी भारत का दशकों से विश्वस्त साझेदार है. अमेरिकी टैरिफ के जवाब में भारत ने कहा है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा.

दिल्ली में बारिश और बाढ़ का खतरा यमुना में उफान से लोहा पुल बंद

एयरपोर्ट जाने से पहले देखें एडवायजरी

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. राजधानी दिल्ली में सोमवार की शाम से तेज बारिश हो रही है, जिसके कारण दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में ट्रैफिक जाम है. दिल्ली के साथ ही गुरुग्राम में भी सड़कों पर लंबा जाम लगा हुआ है. वहीं यमुना का जलस्तर भी बढ़ता जा रहा है जिससे बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है. शाहदरा के जिला मजिस्ट्रेट के अनुसार, यमुना नदी में बढ़ते जल स्तर के कारण 2 सितंबर को यानी कल शाम पांच बजे से लोहा पुल पर यातायात और सार्वजनिक आवाजाही बंद कर दी जाएगी. दिल्ली सरकार ने बताया

कि, यह कदम हथिनीकुंड बैराज से 29,000 क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने के मद्देनजर उठाया गया है. भारतीय मौसम विभाग (आई-एमडी) ने राजधानी में अभी और बारिश की चेतावनी दी है. इसे लेकर इंडिगो ने अपने आधिकारिक X अकाउंट पर एडवायजरी पोस्ट किया है.

संपादकीय

भारत और जापान के संबंध मजबूत

अपने पूर्वी दौरे के पहले चरण में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए तियानजिन जाने से पहले, जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के साथ 15वें वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए 2 दिवसीय जापान दौरे पर गए. भारत में पिछला शिखर सम्मेलन 2022 में हुआ था. दोनों पक्षों ने कम से कम एक दर्जन दस्तावेज़ जारी किए, जिनका मुख्य उद्देश्य अपने समझौतों को अद्यतन करना और उन्हें अगली पीढ़ी पर केंद्रित करना था.

भारत-जापान बैठकों का मूल पाठ यद्यपि मुख्यत: द्विपक्षीय था, लेकिन इसका निहितार्थ भू-राजनीतिक था. मोदी भारी अमेरिकी टैरिफ के मद्देनजर टोक्यो गए, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए खतरा पैदा हो गया है. उन्होंने चार साल के गतिरोध के बाद संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में रविवार (31 अगस्त, 2025) को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अपनी वार्ता से पहले जापान को अपना पहला पड़ाव चुना. जापान भी पूर्वी चीन सागर की स्थिति को लेकर चिंतित है, और अमेरिका के साथ व्यापार को लेकर उसके तनाव हैं, जिसके कारण उसने वाशिंगटन में व्यापार वार्ता दल का दौरा रद्द कर दिया.

जापानी व्यवसायों ने भारत में अपने निवेश लक्ष्य को बढ़ाकर 68 अरब डॉलर कर दिया है और भारतीय भागीदारों के साथ लगभग 170 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं. संयुक्त वक्तव्य के अलावा, 2035 का एक विज़न वक्तव्य भी था, जिसमें आर्थिक सुरक्षा, गतिशीलता और हरित प्रौद्योगिकी परिवर्तन जैसे सहयोग के आठ क्षेत्र शामिल थे. अगली पीढ़ी की राज्य-प्रान्त साझेदारी ने जमीनी स्तर के संबंधों और सीधी उड़ान कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने पर ज़ोर दिया. भारत और जापान ने अपनी 2008 की सुरक्षा साझेदारी को अद्यतन करते हुए इसमें वार्षिक एनएसए-स्तरीय वार्ता, क्वाड पर अधिक सक्रियता, हिंद-प्रशांत सहयोग और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधार को शामिल किया. दिलचस्प बात यह है कि उनकी आर्थिक सुरक्षा साझेदारी का लक्ष्य लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण और महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे को सुरक्षित करना है, जिसमें जापानी तकनीक का उपयोग करके भारत में सेमीकंडक्टर तकनीक के निर्माण और प्रसंस्करण में मदद की जाएगी, क्योंकि भारतीय कंपनियों को दुर्लभ पृथ्वी चुम्बकों के निर्यात पर चीनी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है. भारत की हाई स्पीड रेल बुलेट ट्रेन परियोजना के साथ जापान के सहयोग को प्रदर्शित किया गया, जिसमें मोदी और इशिबा ट्रेन से मियागी प्रांत गए, जहाँ उन्होंने एक सेमीकंडक्टर कारखाने का भी निरीक्षण किया. संयुक्त बयान में उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षणों और परमाणु कार्यक्रम, पहलगाम हमले और सीमा पार आतंकवाद की कड़ी निंदा की गई, हालाँकि इसमें पाकिस्तान का ज़िक्र नहीं था. नेताओं ने इस साल भारत में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन के महत्व पर भी ज़ोर दिया, जो ट्रम्प की भारत विरोधी कार्रवाइयों के कारण सवालों के घेरे में है.

टैरिफ से निपटने के लिए उठाने होंगे बड़े कदम

आर्थिक सुधारों को 35 साल हो रहे हैं पर क्या हम एक भी ऐसा ब्रांड बना पाए हैं जो अमेरिका जापान जर्मनी और कोरिया के ब्रांडों की तरह वैश्विक हो? सालों से गूगल माइक्रोसाफ्ट फेसबुक और एपल की कोडिंग करते बनाते और उन्हें चलाते आ रहे हैं लेकिन चीन की तरह अपने बाइडू वीचेट टिकटाक और हुआवे क्यों नहीं बना पाए?

पंचतंत्र की कथा है. एक तालाब में 3 मछलियां रहती थीं-अनागतविधाता, प्रत्युत्पन्नमति और यद्भविष्य. अनागतविधाता आने से पहले उपाय कर लेती थी. प्रत्युत्पन्नमति समस्या आने पर कुछ करती और यद्भविष्य भाग्य के भरोसे रहती थी. चीन को आप अनागतविधाता मान सकते हैं और भारत को प्रत्युत्पन्नमति, जो संकट सिर पर आने पर ही अपने हाथ-पांव मारता है. हम आजाद तो गांधी जी के स्वावलंबन के नारे के साथ हुए थे, मगर अन्न की आत्मनिर्भरता के लिए हरित क्रांति पर काम तब तक शुरू नहीं किया गया जब तक भयंकर अन्न संकट से दो-चार नहीं हुए. आर्थिक सुधार तब तक नहीं किए, जब तक 1991 में देश संरक्षणवाद और लाइसेंस राज की वजह से दिवालिया होने के कगार पर नहीं जा पहुंचा. इसी तरह उद्योगों में आत्मनिर्भरता की बात हमें तब तक याद नहीं आई जब तक कोविड

महामारी ने आर्थिकी को ठप नहीं कर दिया. अब ट्रंप की अप्रत्याशित नीति ने विदेश व्यापार और विदेश नीति के मोर्चे पर हमारे लिए संकट खड़ा कर दिया, जिसके समाधान के लिए आत्मनिर्भर भारत की बात दोहराई जा रही है. टैरिफों को अपनी ही केंद्रीय अदालत द्वारा अवैध ठहराने के बावजूद राष्ट्रपति ट्रंप ने 25 वर्षों के सामरिक और आर्थिक संबंधों को ताक पर रखते हुए भारत पर लगाए टैरिफ को 25 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है. यही नहीं, भारत के सेवा क्षेत्र को निशाना बनाने वाले मोर्चे भी खोले जा रहे हैं. अमेरिकी कांग्रेस हर साल प्रशिक्षित पेशेवरों के लिए 65 हजार और उच्च शिक्षा के लिए 20 हजार वीजा देती है जिनमें से लगभग 70 प्रतिशत वीजा भारतीय पेशेवर और छात्र हासिल करते हैं.

चूंकि सेवाएं प्रदान करने के लिए भारतीय कंपनियां एच-1बी वीजा के जरिये ही अपने प्रशिक्षित कर्मचारी अमेरिका भेजती हैं, इसलिए ट्रंप सरकार इसी पर अंकुश लगाना चाहती है. हालांकि खुद ट्रंप के कारोबार में एच-1बी वीजा पर आए पेशेवर काम करते हैं, पर उनके वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक और फ्लोरिडा के गवर्नर रान डेसेंटिस को एच-1बी वीजा की व्यवस्था घोटाला नजर आती है. गवर्नर डेसेंटिस ने तो यहां तक कहा है कि भारत ने इसे अमेरिकी व्यवस्था का दोहन करने का कुटीर उद्योग बना रखा है. ट्रंप सरकार अंतरराष्ट्रीय छात्रों के एफ वीजा और एक्सचेंज छात्रों के जे वीजाओं पर भी कड़ी समय सीमाएं लगाने जा रही है. ग्रीन कार्ड की जगह भी 50 लाख डालर से मिलने वाले गोल्ड कार्ड शुरू किए जा रहे हैं जिनके सहारे ट्रंप अमेरिका के कर्ज को उतारना चाहते हैं. व्यापार और आप्रवासन को लेकर ट्रंप सरकार का यह रवैया भले नाटकीय लगे, लेकिन अप्रत्याशित नहीं है. उनके पहले कार्यकाल के कामों से और चुनाव प्रचार से इसके स्पष्ट संकेत मिल चुके थे. भारत की ऊंची आयात-शुल्क दरों और एच-1बी वीजा के मामले पर ट्रंप के पिछले कार्यकाल में भी तनातनी हुई थी. भावी और अत्याधुनिक तकनीक को लेकर उनका संरक्षणवादी रवैया भी नया नहीं है, मगर भारत ने समय रहते इनसे निपटने के लिए कोई तैयारी नहीं की. क्रयशक्ति, उपभोग और आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिरता की दृष्टि से अमेरिका विश्व की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण मंडी है. उसमें मिले प्रवेश का भारतीय व्यापारियों ने सामर्थ्य के हिसाब से पूरा लाभ उठाया, लेकिन क्या हम ऐसी वैकल्पिक मंडी तैयार कर पाए जहां भारतीय व्यापारी अमेरिका में राजनीतिक या आर्थिक अड़चनें खड़ी होने पर अपना माल बेच सकें. यूरोपीय संघ की मंडी अमेरिका का एक अच्छा विकल्प बन सकती थी.

शोध परियोजनाओं पर संकट का साया

विज्ञान में समय का बहुत महत्व है. जैव प्रौद्योगिकी विभाग के बायोकेयर कार्यक्रम के लिए चयनित 75 महिलाओं को न तो स्वीकृति पत्र मिले हैं और न ही वेतन, यह रिपोर्ट भारत के अनुसंधान प्रशासन की एक कष्टप्रद और लगातार बनी रहने वाली दुर्दशा की याद दिलाती है. युवा शोधकर्ता पहले से ही प्रयोगशालाओं में कम जगह, बोझिल विश्वविद्यालय नौकरशाही, जटिल अनुदान आवेदनों, असमान मार्गदर्शन और अनिश्चित करिअर संभावनाओं से जूझ रहे हैं. वेतन और फ़ेलोशिप जीवन-यापन की लागत के मुकाबले मामूली हैं, जो प्रतिभाशाली स्नातकों को शोध करने से रोकता है. यहाँ तक कि जो लोग रुकने के लिए दृढ़ हैं, वे भी अक्सर दीर्घकालिक सुरक्षा के बिना लंबी अवधि की पोस्टडॉक्टरल या संविदात्मक भूमिकाओं में फँस जाते हैं. ऐसे माहौल में, बायोकेयर जैसी योजना एक स्वतंत्र आधार का वादा करती है, जबकि समय पर पूरा न कर पाने से असुरक्षा और हतोत्साह बढ़ जाता है. विदेशों में पोस्टडॉक्टरल कार्य और टेन्योर-ट्रैक नौकरियों के अवसर भी कम होते जा रहे हैं. पश्चिम में आव्रजन व्यवस्थाएँ कड़ी हो गई हैं, जबकि सीमित संकाय पदों के लिए प्रतिस्पर्धा तेज़ हो गई है. इस प्रकार, भारतीय वैज्ञानिकों के लिए, घरेलू अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र ही वह क्षेत्र बनता जा रहा है जहाँ उनका करियर आगे बढ़ेगा. फ़ेलोशिप और अनुदान वितरण में देरी पूरे करियर को पटरी से उतार सकती है.

भारत अब ऐसी कमियों को शुरुआती समस्याओं के रूप में नहीं देख सकता. देश अपनी वैश्विक वैज्ञानिक स्थिति का विस्तार करना, अनुसंधान को नवाचार में बदलना और स्वास्थ्य, ऊर्जा, कृषि और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में गंभीर चुनौतियों का समाधान करने के लिए वैज्ञानिकों की एक पीढ़ी को प्रशिक्षित करना चाहता है. ये महत्वाकांक्षाएँ उस वित्त पोषण प्रशासन के साथ असंगत हैं जो बुनियादी क्रियान्वयन में लड़खड़ाता है. बायोकेयर में देरी का कथित कारण, ट्रेजरी सिंगल अकाउंट सिस्टम में बदलाव, लंबे समय में पारदर्शिता को मज़बूत कर सकता है, लेकिन अभी प्रशासनिक परिपक्वता की तत्काल आवश्यकता के कई कारण हैं. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि विज्ञान समय के प्रति संवेदनशील है: प्रयोग तब शुरू होने चाहिए जब सुविधाएँ, सहयोगी और मौसमी या जैविक परिस्थितियाँ एक-दूसरे के अनुकूल हों. देरी इन चक्रों को अपरिवर्तनीय रूप से तोड़ देती है. दूसरा, जब कागज़ पर प्रगतिशील योजनाएँ लाभार्थियों तक नहीं पहुँच पातीं, तो परिणामस्वरूप विश्वसनीयता की कमी घरेलू प्रतिभा और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों को आकर्षित करना कठिन बना देगी.

मामूली सी बात पर हो जा रही हत्या

शुक्रवार की रात मंदिर में आए कुछ लोगों ने प्रसाद देने जैसी बहुत साधारण-सी बात पर सेवादार की लाठी-डंडों से इतनी पिटाई की कि उसकी जान चली गई. हमें फॉलो करें माना जाता है कि राजधानी होने के नाते दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की मौजूदगी का प्रभाव देश के अन्य हिस्सों से बेहतर स्थिति में होगा. मगर दिल्ली के कालकाजी इलाके में महज प्रसाद देने के मुद्दे पर कुछ लोगों ने जिस तरह वहां मंदिर के एक सेवादार की बर्बरता से पीट-पीट कर जान ले ली, उससे एक बार फिर यही पता चलता है कि कुछ लोगों में न तो संवेदनशीलता बची है और न शायद उनके भीतर इस बात का डर है कि वे जिस अपराध को अंजाम दे रहे हैं, उसके बदले उनकी जिंदगी जेल की सींखचों के भीतर कट सकती है. गौरतलब है कि शुक्रवार की रात मंदिर में आए कुछ लोगों ने प्रसाद देने जैसी बहुत साधारण-सी बात पर सेवादार की लाठी-डंडों से इतनी पिटाई की कि उसकी जान चली गई. स्थानीय लोगों ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. एकबारगी इस बात पर हैरानी होती है कि इतनी मामूली बात पर किसी की हत्या तक कर डालने की हिम्मत कुछ लोगों के भीतर कैसे चली आती है. निश्चित रूप से यह कानून-व्यवस्था की नाकामी का नतीजा है, जिसमें आपराधिक मानस वाले लोगों में पुलिस का कोई खौफ नहीं दिखता. यह स्थिति तब है जब दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था बहुस्तरीय चौकसी के तहत संचालित होती है. एक जटिल और महत्त्वपूर्ण बिंदु यह है कि लोगों के भीतर एक विचित्र किस्म का उतावलापन और विवेकहीनता भर रही है, जिसमें वे किसी बेहद मामूली बात पर आपा खो देते हैं और यहां तक कि किसी की हत्या तक कर देने में उन्हें कोई हिचक नहीं होती. समाज में पनप और पल-बढ़ रही इस मानसिक विकृति के उदाहरण अक्सर देखने को मिल रहे हैं, जिनमें बहुत छोटी और आमतौर पर अनदेखी कर दी जाने वाली बातों पर भी नाहक ही गुस्से से भर कर दो लोग आपस में उलझ जाते हैं, उनके साथ के लोग भी उसमें शामिल हो जाते हैं और फिर उसमें जो ताकतवर होता है वह दूसरे पक्ष के किसी व्यक्ति की हत्या तक कर देने से नहीं हिचकता. यहां न तो विवेक की उपस्थिति दिखती है और न ही पुलिस या कानून का डर.

राशिफल

■ **मेष**: आज का दिन रिश्तों, करियर में उन्नति और वित्तीय योजना पर ध्यान केंद्रित करते हुए एनर्जी प्रदान करता है. फ्यूचर के लक्ष्यों की स्ट्रैटजी बनाने के लिए अच्छा समय है. आज धन का मामला स्मार्ट तरीके से मैनेज करें. फिटनेस पर फोकस करें.

■ **वृषभ**: आज सेहत का ध्यान रखें. आपको अपने विचारों को अपनाने और इसे जीवन के सभी पहलुओं पर लागू करने के लिए मोटिवेट किया जाता है. रिश्ते डीप कनेक्शन की ओर मुड़ते हैं, जबकि करियर के अवसर चुनौती के वादे के साथ आते हैं.

■ **मिथुन**: आज के दिन अपनी पर्सनल लाइफ में आप अपने पार्टनर के साथ अधिक पर्सनल कनेक्शन विकसित कर सकते हैं. वित्तीय सुरक्षा आपको इंकम के अन्य सोर्स आजमाने या अधिक इन्वेस्टमेंट करने के लिए प्रोत्साहित करेगी. यह पर्सनल जरूरतों पर फोकस करने का समय है.

■ **कर्क**: आज आपके करियर की गति धीमी नहीं होनी चाहिए. इन्स्पेक्ट करें कि क्या आपका वर्तमान काम आपके लॉग टर्म लक्ष्यों को पूरा करता है. अपने काम और पर्सनल जीवन के बीच अधिक शांति लाने के लिए योजना बनाएं और जरूरी बदलाव भी करें.

■ **सिंह**: आज का दिन अपने जरूरी प्लांस बनाने के लिए शुभ है. अपने बॉस के सामने अपनी कमिटमेंट, काम का तरीका और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल को दिखाने का इससे बेहतर समय क्या हो सकता है? आपका ध्यान घरेलू चुनौतियों पर रहेगा.

■ **कन्या**: आज का दिन आपके सामाजिक जीवन में नई रुचि लाएगा. आपकी विभिन्न संस्कृति के लोगों से जुडने की क्षमता नए अवसर या पार्टनरशिप के लिए एक खुला द्वार है. शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए जिम ज्वाइन करें.

■ **तुला**: आज हो सकता है कि आप अचानक खुद को उत्सुकता के साथ असाइनमेंट पर काम करते हुए पाएं. आर्थिक लाभ के अवसर भी मिलेंगे. इसके अलावा देखभाल, डाइट में सुधार या यहां तक कि नई एक्सरसाइज शुरू करने पर भी फोकस करें.

■ **वृश्चिक**: आज नेटवर्क बनाएं, अपनी स्किल्स का उदाहरण दें और प्रोजेक्ट्स पर पहल करने से न डरें. आप आय के नए स्रोत ढूंढने की कोशिश कर सकते हैं और वेतन वृद्धि के लिए अभियान शुरू कर सकते हैं. अपने पार्टनर के साथ सम्मान और संयम से व्यवहार करें.

■ **धनु**: आज के दिन डिटेल्स पर काम करने और चीजों को मैनेज करने में बिजी रहेंगे. किसी सम्मेलन, वेबिनार या यहां तक कि व्यावसायिक यात्रा के लिए प्रयास करें. बहुत ज्यादा तनाव लेने से बचें. खर्चों पर ध्यान दें.

■ **मकर**: आज आप स्किल्स को बढ़ाने या नए मार्केट के बारे में अधिक जानने पर विचार करने के लिए उत्सुक हो सकते हैं. आज का मुख्य जोर आपके पर्सनल फाइनेंस के बढ़ते पक्ष पर है, लेकिन इस बात से सावधान रहें कि आप अपना पैसा कैसे खर्च करते हैं.

■ **कुंभ**: आज का दिन पर्सनल ग्रोथ और विस्तार की संभावनाओं से भरा है. विचारों को विकसित करने के लिए अपने सहकर्मियों के साथ बात करने और काम करने की अपनी क्षमता दिखाने का यह सही अवसर है. गलतफहमी के चलते अन-बन हो सकती है. अपने विचारों और इरादों को क्लियर करें. आपके लिए सेल्फ-लव पर फोकस करने वाला दिन है. काम का बहुत ज्यादा प्रेशर न लें.

■ **मीन**: आज के दिन फ्रेश एनर्जी के साथ अपने करियर की ओर बढ़ें. आपकी बिजनेस शुरू करने की भावना काफी बढ़ जाएगी. सिंगल लोगों का रुझान ऐसे पार्टनर्स की तलाश में हो सकता है, जो काफी दृढ़ और कॉन्फिडेंट हों. मजबूत पेशेवर मोर्चे वाले कुंभ राशि के जातक अच्छे परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली - 437

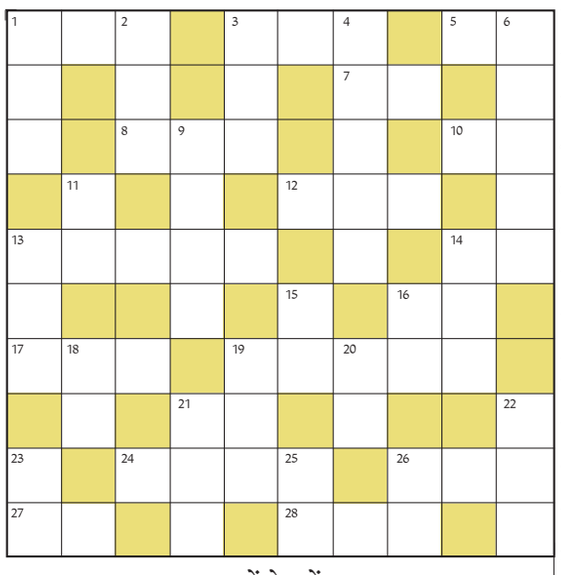

ऊपर से नीचे:-

1. 'मैं दुनिया भुला दूंगा' गीत वाली राहुल, अनु अग्रवाल की फिल्म-3
2. राजकपूर, नतून की 'रूक जा ओ जानेवाली' गीत वाली फिल्म-3
3. 'ऐ सनम जिसने तुझे' गीत वाली राजकपूर, सायरा की फिल्म-3
4. ऋषि, नीतूसिंह की 'किसी पे दिल अगर' गीत वाली फिल्म-5
6. सोमदत्त, विनोद खन्ना, लीना चंदावरकर की पहली फिल्म-2,1,2
9. गोविंदा, करिश्मा की 'याद सताए तेरी' गीत वाली फिल्म-2,2
11. फिल्म 'लक्ष्य' के गीत 'मैं ऐसा क्यों हूँ' का गायक-2
13. सलमान, करिश्मा की 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-3
14. अक्षय, लारा की फिल्म-3
15. सुनील, आशा पारेख की 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली फिल्म-2
16. 'मेरे दिल में आज' गीत वाली राजेश, शर्मिला, राखी की फिल्म-2
18. कमल सदाना, आयशा, दिव्याकी 'दिल चीर के' गीत वाली फिल्म-2
19. 'ले के चली मुझे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा की फिल्म-3
20. जैकी, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-2
21. 'राधा ना बोले' गीत वाली फिल्म-3
22. फिल्म 'कोशिश' में नायक कौन है-3
23. फिल्म 'ज्वैल थीफ' में नायक कौन है-2
25. टी. वी. धारावाहिक 'सॉस' की नायिका कौन थी ?-2
26. दीनो मोरिया, बिपाशा की 'जो भी कसमें' गीत वाली फिल्म-2

बायें से दायें:-

1. बॉबी, करिश्मा की 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली फिल्म-3
3. 'कहदूँ तुम्हें' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर की हिट फिल्म-3
5. संजय कपूर, तब्बू की 'मैंने जी लिया' गीत वाली फिल्म-2
7. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-2
8. ऋषि, माधुरी की 'मेरा पिया घर आया' गीत वाली फिल्म-3
10. 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम -2
12. 'पलके हो खुली या बंद' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोनाली की फिल्म-3
13. संजयदत्त, अनिता राज की 'आते आते तेरी' गीत वाली फिल्म-2,1,2
14. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'ना वादा करते हैं' गीत वाली फिल्म-2
16. 'परदे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान की फिल्म-2
17. राजकुमार, नाना पाटेकर, ममता कुलकर्णी, वर्षा की 'पीले पीले ओ मेरे राजा' गीत वाली फिल्म-3
19. 'रूठे रूठे पिया' गीत वाली विजय आनंद, जया की फिल्म-2,3
21. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तनहाइयां' गीत वाली फिल्म-2
24. 'शहरों की गलियों में' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-2,2
26. गोविंदा, रवीना की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-3
27. 'दिल विच तेरा ही' गीत वाली अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-2
28. मिथुन, अतुल, पूजा की 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली - 436 का हल

य	स	बॉ	स		ह	मे	शा		स
हू		ड		रॉ	की			खौ	फ
दी	दा	र			क	स	क		र
	मि		की	म	त		री	ना	
सु	नी	ल		र्या		हि	ना		कि
जा		व	ही	दा		म्म		जि	स्म
ता	ल		रो		सौ	त	न		त
	ल	म्हे		सौ	दा		ज	या	
शा	का		जी		ग		रा		प्या
का	र	तू	स		र	वी	ना		सा

■ मंगल सैणचा, बैंगलोर

अंकजाल - 437

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

	23	20	10		23	25	18	16	
12	2		3		4		6		19
19		3				5		4	16
11	9				5		7		32
32		8		2		7			
			8		2		5		33
25		3		4				5	7
20	6		4				8		21
24		6		6		8		3	18
	21	12	29	35		16	22	19	

अंकजाल 436 का हल

	19	18	26	30		11	23	13	
26	7	8	9	2		3	5	4	12
23	9	2	7	5		8	7	5	20
23	3	8	2	7	3		4	2	6
			6	7	9	3	7	2	34
32	5	7	2	5	6	7			
9	3	6		4	5	2	5	6	22
14	3	4	7		8	8	5	8	29
16	6	4	6		8	7	3	5	23
	17	21	13		39	27	13	19	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 437

शब्दजाल में क्रिकेट खेलने वाले 10 देशों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

श्रीलंका,बांग्लादेश,भारत,इंग्लैंड,पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया,दक्षिण अफ्रीका, केन्या, हालैंड

भा	क	ल	पा	कि	स्ता	न	धी	द	ल	ज
र	र	ल	दे	श्री	लं	का	इं	क्षि	ट	वा
त	स	त	ल	र्म	छ	रा	रा	ण	ख	द
आ	स्ट्रे	लि	या	पु	र	न्यू	प	अ	ली	ब
म	गा	दो	ग	ल्ता	लं	जी	तू	फ्री	झ	र्नि
बां	ग	ला	दे	श	न	लैं	ना	का	घ	हा
ल	अ	स	त	या	प	ड	श	ज	ला	लैं
पे	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	ड
स	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	के	न्या	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	इं	ग्लैं	ड	त

शब्दजाल - 436 का हल

म	ग	ल	पों	डे	प	र	तू	ग	झ	सु
ज	अ	ल	म	आ	भ	ग	त	सिं	ह	भा
चं	द्र	शे	ख	र	आ	जा	द	र	ला	ष
ज	कु	अ	उ	बे	ला	क	ल	रि	श	चं
स	ति	श	ध	व	दा	ल	ढमी	बा	ई	द्र
र	रं	ल	म	व	लि	र्त	अ	ती	प	बो
दा	गा	ल	सिं	गा	प	म	श	कौ	या	स
र	बा	जीं	ह	त	क	छ	फा	ग	श	थ
प	स	म	हा	त्मा	गां	धी	क	शा	जू	द
दे	र	ल	म	ह	र	ओ	के	स	प	ना
ल	ओ	ता	त्या	वे	पे	ग	या	दु	र	क

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

राइट ट्रैक पर भारत-चीन रिश्ते

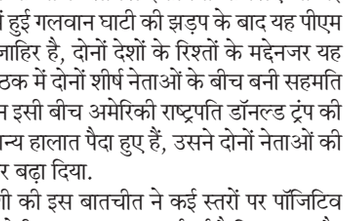

शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (SCO) शिखर बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच रविवार को हुई द्विपक्षीय बातचीत पर अगर दुनिया भर की नजरें टिकी थीं तो यह बेवजह नहीं था. इस सौहार्दपूर्ण बातचीत ने न केवल दोनों देशों के रिश्तों में बढ़ते सामंजस्य की प्रक्रिया को मजबूती दी है बल्कि कई तरह की अनिश्चितताओं के बीच ग्लोबल इकॉनमी के लिए भी नई संभावनाएं पैदा की हैं. 2020 में हुई गलवान घाटी की झड़प के बाद यह पीएम मोदी का पहला चीन दौरा है. जाहिर है, दोनों देशों के रिश्तों के मद्देनजर यह सवाल महत्वपूर्ण था कि इस बैठक में दोनों शीर्ष नेताओं के बीच बनी सहमति कितनी दूर तक जाती है. लेकिन इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की टैरिफ घोषणाओं से जो असामान्य हालात पैदा हुए हैं, उसने दोनों नेताओं की बातचीत की अहमियत को और बढ़ा दिया.

ऐसे माहौल में हुई मोदी और शी की इस बातचीत ने कई स्तरों पर पॉजिटिव संकेत दिए हैं. खासकर पीएम मोदी का यह कहना अर्थपूर्ण है कि भारत और चीन दोनों ही देश सामरिक स्वायत्तता रखते हैं और इनके आपसी रिश्तों को किसी तीसरे देश के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए. ध्यान रहे, ट्रंप ने भारत पर जो 50 फीसदी टैरिफ लगाया है, उसके लिए एक तीसरे देश रूस के साथ भारत के रिश्तों को ही आधार बनाया गया है. इस बयान के जरिए पीएम मोदी ने यह परोक्ष संकेत दिया है कि सामरिक स्वायत्तता का सम्मान करते हुए ही द्विपक्षीय रिश्ते फल-फूल सकते हैं. इन सबके बावजूद यह मानना गलत होगा कि अमेरिका से टैरिफ के सवाल पर तनाव बढ़ने के कारण भारत और चीन करीब आ रहे हैं. सच यही है कि गलवान झड़प के रूप में आई एक बड़ी अड़चन के बाद भी दोनों देशों ने बातचीत के जरिए गलतफहमियां और मतभेद दूर करने की कोशिश नहीं छोड़ी. इस निरंतर प्रयास का ही नतीजा है कि धीरे-धीरे मतभेद कम होते रहे और पिछले साल सीमा पर दोनों देशों की सेनाओं के डिसइंगेजमेंट को लेकर भी सहमति बन गई. रविवार की बैठक में दोनों नेताओं ने इस पर संतोष जाहिर किया कि पिछले साल कजान में हुई शिखर बैठक के बाद से रिश्तों में लगातार सुधार जारी रहा. यह शुभ संकेत है कि अब हाथी और ड्रैगन के साथ आने की संभावना रेखांकित की जाने लगी है.

जनसंवाद नेटवर्कस् प्रा. लि. हेतु राष्ट्रबाण (प्रेस) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य द्वारा यह मुद्रित कर 101/5 गणेश स्नेहल अपार्टमेंट नागपुर-22 से प्रकाशित. प्रधान संपादक - *विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य, *पी. आर. बी. कानून के तहत संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार ■ इस पत्र में प्रकाशित विज्ञापन, लेख व समाचारों में व्यक्त विचार व्यक्तिगत है. उनसे हमारा सहमत-असहमत होना जरुरी नहीं. RNI Reg. No. HIN/72804 ■ फोन नं. 0712-7966355, rashtrabaanngp@gmail.com

नाम तेजस्वी का, काम अखिलेश कर गए

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. बिहार विधानसभा चुनाव की औपचारिक घोषणा भले ही ना हुई हो, लेकिन सियासी सरगर्मी पूरी तरह बढ़ गई है. कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की जोड़ी ने बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' निकालकर चुनावी माहौल को अपने पक्ष में करने का दांव चला है तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी रणक्षेत्र में उतरकर तेजस्वी यादव के लिए सियासी बैटिंग कर दी है.

17 अगस्त को सासाराम से शुरू हुई इंडिया ब्लॉक की 'वोटर अधिकार यात्रा' अब 23 जिलों और 1300 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद पटना में समाप्त हो रही है. राहुल-तेजस्वी की यात्रा के आखिरी पड़ाव में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शिरकत की. अपनी केवल डेढ़ दिन की बिहार यात्रा के दौरान अखिलेश यादव ने तेजस्वी यादव का नाम आगे करके पटना से यूपी की सियासत का एजेंडा तय करते हुए नज़र आए. बिहार में कांग्रेस का आरजेडी के साथ चुनाव लड़ना तय है, लेकिन वह तेजस्वी यादव को सीएम का चेहरा बनाने के लिए तैयार नहीं है. 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान पत्रकारों ने कई बार राहुल गांधी से यह सवाल पूछा और हर बार उन्होंने खामोशी बनाए रखी. इतना ही नहीं, तेजस्वी ने राहुल को पीएम पद का उम्मीदवार तक बता दिया, उसके बाद भी कांग्रेस टस से मस नहीं हुई.

ऐसे में अखिलेश ने बिहार में सियासी दस्तक देने के साथ ही तेजस्वी यादव के चेहरे पर अपनी रजामंदी देकर एक बड़ा सियासी दांव चला.

ऐसे में बिहार के लोग अपना भविष्य बनाने के लिए मतदान करें. अखिलेश ने यह बात राहुल गांधी और तेजस्वी की मौजूदगी में कही, क्योंकि कांग्रेस और राहुल गांधी ने बिहार में सीएम चेहरे के नाम पर चुप्पी साध रखी है.

तेजस्वी के बहाने अखिलेश का दांव बिहार में जिस तरह से कांग्रेस और आरजेडी साथ हैं, उसी तरह से यूपी में सपा और कांग्रेस का गठबंधन है. अखिलेश यादव इस बात को जानते हैं कि बिहार में कांग्रेस ने सीएम चेहरे पर जिस तरह सियासी सस्पेंस बना रखा है, उसी तरह अगर कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश के 2027 के विधानसभा चुनाव में सियासी स्टैंड अपनाया, तो उससे सपा के लिए नई सियासी टेंशन पैदा हो जाएगी. यही वजह है कि अखिलेश यादव ने राहुल की मौजूदगी में तेजस्वी यादव के नाम पर अपनी मुहर लगाकर कांग्रेस पर सियासी दबाव बनाने के साथ-साथ अपने मन की बात भी कह दी है.

पटना में राहुल के सामने दावेदारी के ऐलान का यूपी कनेक्शन!

तेजस्वी के नाम पर अखिलेश रजामंद

तेजस्वी यादव ने कहा कि 400 पार का नारा लगाने वालों को उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव ने आधे पर रोक दिया. अखिलेश के अनुभव का लाभ हमें बिहार में भी मिलेगा, उनके आने से हमें बहुत मजबूती मिली है. उन्होंने कहा कि हम लोगों को साथ मिलकर लड़ना है. बिहार की जनता जागरूक है. बीजेपी को चुनाव में मुंहतोड़ जवाब देगी. इसके बाद अखिलेश यादव ने भी तेजस्वी यादव की खूब तारीफ की और कहा कि महागठबंधन की तरफ से तेजस्वी यादव ही मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे. अखिलेश ने कहा कि तेजस्वी यादव से बेहतर बिहार में कोई मुख्यमंत्री नहीं हो सकता. मैं हमेशा तेजस्वी यादव का साथ दूंगा और हर मदद करूंगा, क्योंकि उन्होंने बिहार के विकास के लिए काम किया है और नौकरी दी है.

बिहार से सेट किया यूपी का एजेंडा

अखिलेश यादव ने 2024 में राहुल गांधी के साथ मिलकर यूपी में बीजेपी को तगड़ा झटका दिया था. राहुल यूपी के रायबरेली से सांसद हैं और कांग्रेस के 6 सांसद जीते हैं, जिसके बाद से पार्टी को यूपी में अपनी सियासी उम्मीदें दिखने लगी हैं. कांग्रेस लगातार यूपी में खुद को मजबूत करने की कोशिश में जुटी है. इसी का नतीजा है कि कांग्रेस और सपा के बीच कई बार जुबानी जंग भी देखने को मिली है. कांग्रेस के सांसद इमरान मसूद लगातार सपा के खिलाफ आक्रामक तेवर अपनाए हुए हैं. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय तो यह तक कह चुके हैं कि यूपी पंचायत और एमएलसी चुनाव पार्टी अकेले लड़ेगी. कांग्रेस के सियासी तेवर को देखते हुए सपा भी अलर्ट है. इसीलिए अखिलेश यादव ने बिहार से यूपी के सियासी समीकरण साधने का दांव चला. बिहार में सीएम पद के लिए तेजस्वी के चेहरे पर मुहर लगाकर अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में अपनी दावेदारी को मजबूत किया है, क्योंकि 2027 में सपा अपनी वापसी की उम्मीद लगाए हुए है. ऐसे में कांग्रेस बिहार की तरह ही अखिलेश के चेहरे को लेकर सस्पेंस न बना सके, इसीलिए उन्होंने कांग्रेस पर 'प्रेशर पॉलिटिक्स' का सियासी दांव चल दिया है.

कांग्रेस की जमीन पर खड़े क्षत्रप

उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार और पश्चिम बंगाल तक कांग्रेस की सियासी ज़मीन पर ही क्षेत्रीय दल (क्षत्रप) खड़े हैं. दिल्ली में कांग्रेस की सियासी ज़मीन पर ही आम आदमी पार्टी ने अपनी राजनीतिक इमारत खड़ी की है. इसी तरह, यूपी में सपा और बिहार में आरजेडी ने भी कांग्रेस के सियासी आधार पर अपनी जड़ें मज़बूत की हैं, तो पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के वोट बैंक पर ही टीएमसी खड़ी है. कांग्रेस की रणनीति अपनी सियासी ज़मीन को दोबारा हासिल करने की है. बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' निकालकर कांग्रेस ने सियासी माहौल तो बनाया ही है, साथ ही अपनी 'बार्गेनिंग पावर' भी बढ़ा ली है. इसी तरह यूपी में भी कांग्रेस अपने दम पर खड़ा होना चाहती है. इस बात को तेजस्वी यादव से लेकर अखिलेश यादव तक बखूबी समझ रहे हैं.

राहुल-तेजस्वी के मंच पर फिर नहीं मिली पप्पू यादव को जगह

सड़क पर कुर्सी लगाकर बैठे

राष्ट्रबाण

पटना, पटना में सोमवार को महा-गठबंधन की 'वोटर अधिकार यात्रा' के समापन कार्यक्रम में एक बार फिर जन अधिकार पार्टी (JAP) सुप्रीमो पप्पू यादव को मंच से दूर रखा गया. मंच पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव समेत महागठबंधन के बड़े नेता मौजूद थे, लेकिन पप्पू यादव को मंच पर चढ़ने की अनुमति नहीं मिली.

इस स्थिति में पप्पू यादव ने सड़क पर ही कुर्सी लगाकर बैठने का फैसला किया. वह जनता के बीच आम समर्थकों की तरह सभा को सुनते रहे. कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी और तेजस्वी यादव सहित महागठबंधन के नेताओं ने केंद्र और राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला और मताधिकार बचाने की अपील की.

गौरतलब है कि इससे पहले भी कई बार महागठबंधन के मंच से पप्पू यादव को अलग-थलग रखा गया है. उनके समर्थक इस पर नाराजगी जताते रहे हैं.

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था मामला

विपक्ष की शिकायतों के बाद मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा, जहां अदालत ने चुनाव आयोग को आदेश दिया कि जिन मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं, उनकी पूरी जानकारी 19 अगस्त तक सार्वजनिक की जाए और 22 अगस्त तक अनुपालन रिपोर्ट सौंपी जाए. इसके पालन में चुनाव आयोग ने 65 लाख मतदाताओं की सूची जारी कर दी.

फास्ट ट्रैक

बारिश बनी आफत

राष्ट्रबाण

रुद्रप्रयाग. उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में इन दिनों यात्रा करना बेहद मुश्किल साबित हो रहा है. यात्रा के दौरान ना जाने कहां पहाड़ी दरक जाए या कहां पहाड़ी से कोई पत्थर आ गिरे कुछ नहीं पता. ऐसा ही दर्दनाक हादसा रुद्रप्रयाग के मुनकटिया में हुआ जहां गाड़ी के ऊपर पत्थर गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई. केदारनाथ हाईवे पर बांसवाड़ा में रात से लगातार बोल्डर गिर रहे हैं, जिससे खतरा बढ़ गया है. फिलहाल बांसवाड़ा में हाईवे बंद होने से केदारनाथ यात्रा को 5 सितंबर तक रोक दिया गया है. यात्रियों को रुद्रप्रयाग सहित अन्य स्थानों पर सुरक्षित पहुंचाया जा रहा है. उत्तराखंड में बारिश से अभी नहीं राहत जनपद में लगातार हो रही बारिश और उत्तराखंड मौसम विभाग की ओर से जारी अगले तीन दिन तक भारी बारिश के अलर्ट को देखते हुए प्रशासन ने चारधाम यात्रा और हेमकुंड साहिब यात्रा भी अस्थायी रूप से स्थगित करने का फैसला लिया है.तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए ही निर्णय लिया गया है. वहीं, केदारनाथ जाने वाले वाहनों पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है. गढ़वाल कमिश्नर श्री विनय शंकर पांडेय ने बताया कि भारी बारिश से प्रदेश में कई जगह भूस्खलन एवं पहाड़ों से मलबा गिरने से रास्ते बाधित हो रहे हैं. जिन्हें सरकार प्राथमिकता पर खोल रही है, लेकिन यात्रियों की सुरक्षा ओर सुविधा को देखते हुए फिलहाल चारधाम एवं हेमकुंट साहिब यात्रा को 05 सितंबर 2025 तक स्थगित किया गया है.

पहले प्रेमिका को मारी गोली, फिर नेपाल भागने की कोशिश

बंगाल की इशिता की हत्या का आरोपी यूपी से गिरफ्तार

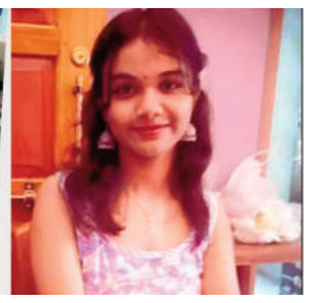

राष्ट्रबाण

कोलकाता. पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में हुए कृष्णानगर हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. इशिता मलिक नामक छात्रा की हत्या करके फरार चल रहे आरोपी देशराज सिंह को पुलिस ने सोमवार तड़के उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले के नौतनवा कस्बे से गिरफ्तार कर लिया. वो वहां से नेपाल भागने की कोशिश कर रहा था. पुलिस उसे ट्रांजिट रिमांड पर कृष्णानगर कोतवाली लेकर गई है. पुलिस के मुताबिक, आरोपी देशराज सिंह ने एक हफ्ते पहले अपनी प्रेमिका इशिता मलिका को कृष्णानगर के पालपाड़ा इलाके में गोली मार दी थी. इसके बाद अपने गैंगस्टर भाइयों और प्रभावशाली रिश्तेदारों की मदद से फरार चल रहा था.

क्या ट्रंप की बेवकूफी ने पावर बैलेंस बदल दिया?

US में चीन-भारत की दोस्ती पर क्यों हो रही इतनी चर्चा

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन का समापन हो चुका है. लेकिन इस समिट से निकले संदेश वॉशिंगटन तक साफ और स्पष्ट तरीके से पहुंच चुके हैं. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों और भारत पर बेलगाम टैरिफ ने दुनिया के पावर बैलेंस को बदल दिया है. ट्रंप ने भारत की तुलना में चीन पर टैरिफ लगाने में नरम रुख अपनाया है. लेकिन टैरिफ बम ने भारत-चीन को करीब लाने का काम जरूर कर दिया है.

बदलते हालात में बदला वर्ल्ड ऑर्डर

वैश्विक शक्ति संतुलन (पावर बैलेंस) और भारत-चीन संबंधों को लेकर अब दुनियाभर में चर्चा हो रही है. चीन वैसे तो भारत का पक्का दोस्त नहीं है. लेकिन बदलते हालात में दोनों ने एक-दूसरे के प्रति भरोसा जताने की कसमें खाई हैं. दोनों देश दुनिया के बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शुमार हैं, साथ ही बड़ी आबादी के लिहाज से श्रमशक्ति में भी अव्वल हैं. ऐसे में अमेरिका की गलतियों ने भारत-चीन को साथ आने का तर्कसंगत विकल्प दे दिया है.

राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियों, अमेरिका का ट्रेड वॉर और टैरिफ बम ने पावर बैलेंस में अहम बदलाव लाने की संभावनाओं को जन्म दिया है. अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप पहले से आक्रामक और सख्त नजर आ रहे हैं. भारतीय आयातों पर 50% टैरिफ लगाना, जिसमें 25% अतिरिक्त टैरिफ रूस से तेल खरीदने के लिए जुर्माना के तौर पर लगाया गया है, यह भारत को निशाना बनाने जैसा है. जबकि रूस से कहीं ज्यादा तेल खरीदने वाले चीन पर ऐसी सख्ती नहीं दिखाई गई. यह असमानता भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव की वजह बनी है.

नए विकल्पों की तलाश में भारत: भारत और जापान जैसे क्वाड देशों पर भारी टैरिफ ने इस गठबंधन की एकजुटता को कमजोर किया है, जिससे चीन को इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाने का मौका मिल सकता है. अमेरिका, भारत और जापान को नाराज करके क्वाड की प्रासंगिकता खो देगा, क्योंकि इसमें सिर्फ अमेरिका के अलावा जापान, भारत और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं.

चीन पर नरम, भारत पर गरम

चीन के प्रति नरम रुख ट्रंप की फूट डालने वाली नीति का हिस्सा है, ताकि पाकिस्तान और चीन को साथ लेकर वह साउथ एशिया में अपना दबदबा कायम कर सकें. ट्रंप ने चीन पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी तो दी, लेकिन कई बार इसे टाल दिया. चीन पर टैरिफ को तीन महीने के लिए बढ़ा दिया गया ताकि व्यापार वार्ता जारी रह सके. यह नरमी उन्होंने रेयर अर्थ एलिमेंट्स पर अमेरिका की निर्भरता और पाकिस्तान से दोस्ती बनाए रखने के लिए दिखाई है. ट्रंप की पाकिस्तान के साथ नजदीकी हाल के दिनों में पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन चुकी है. पहले पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर का वॉशिंगटन दौरा, इसके बाद पाकिस्तान के साथ ऑयल डील को लेकर ट्रंप के ऐलान ने अमेरिका को भारत के खिलाफ खड़ा कर दिया है. भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव की एक बड़ी वजह ट्रंप का यही रुख है.

'नीतीश कुमार भ्रष्टाचार के भीष्म पितामह बन गए हैं'

तेजस्वी यादव का बिहार CM पर हमला

राष्ट्रबाण

पटना. बिहार की राजनीति एक बार फिर गरमाई हुई है. कांग्रेस की 'वोटर अधिकार यात्रा' के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए राजद नेता और पूर्व उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और केंद्र की भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला. उन्होंने नीतीश कुमार को भ्रष्टाचार का भीष्म पितामह करार दिया और कहा कि राज्य में हो रहे घोटालों पर मुख्यमंत्री चुप्पी साधे रहते हैं.

तेजस्वी यादव ने कहा, "मुख्यमंत्री अब होश में नहीं हैं और न ही उनके पास बिहार के लिए कोई दृष्टि है. जनता आगामी विधानसभा चुनाव में उन्हें सत्ता से बाहर कर देगी."

केंद्र सरकार पर भी निशाना: तेजस्वी ने पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर भी अप्रत्यक्ष हमला किया. उन्होंने कहा कि बिहार में मतदाता सूची संशोधन (SIR) के दौरान चुनाव आयोग की मदद से लाखों नाम काटे गए, जिससे यह साफ है कि भाजपा लोकतंत्र को कमजोर करना चाहती है. उन्होंने कहा, 2 बड़े भाजपा नेता चुनाव आयोग के सहारे लोकतंत्र खत्म करना चाहते हैं.

भ्रष्टाचार पर हमला

तेजस्वी ने नीतीश कुमार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि बिहार सरकार में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है. उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में राज्य के इंजीनियरों के पास 100 करोड़ रुपये नकद बरामद हुए थे, लेकिन मुख्यमंत्री इस पर कुछ नहीं बोले. तेजस्वी ने कहा, जिन्हें घोटालों पर बोलना चाहिए, वे खुद भ्रष्टाचार के भीष्म पितामह बन चुके हैं.

GST से भरा सरकार का खजाना

अगस्त में 1.86 लाख करोड़ का ताबड़तोड़ कलेक्शन

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. सरकार ने सोमवार को जीएसटी कलेक्शन के आंकड़े शेयर किए, जो राहत भरे हैं. सरकारी आंकड़ों पर नजर डालें, तो अगस्त महीने में कलेक्शन 1.86 लाख करोड़ रुपये रहा है, जो बीते साल की समान अवधि की तुलना में 6.5 फीसदी ज्यादा है. बता दें कि अगस्त 2024 में 1.75 लाख करोड़ रुपये रहा था. वहीं बात इससे पिछले महीने की करें, तो जुलाई 2025 में जीएसटी संग्रह से सरकार के खजाने में 1.96 लाख करोड़ रुपये आए थे.

रेवेन्यू में जोरदार उछाल का असर: सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, घरेलू राजस्व में उछाल की वजह से अगस्त में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 1.86 लाख करोड़ रुपये से अधिक पर पहुंच गया. बीते महीने ये रेवेन्यू 9.6 फीसदी बढ़कर 1.37 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयात कर 1.2 फीसदी की गिरावट के साथ 49,354 करोड़ रुपये रह गया. जीएसटी रिफंड पर नजर डालें, तो साल-दर-साल 20 फीसदी घटकर 19,359 करोड़ रुपये रह गया.

देश में जीएसटी में बदलाव की तैयारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले की प्राचीर से नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म को लेकर ऐलान किया था. उन्होंने अपने संबोधन में कहा था कि सरकार अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार लेकर आ रही है और इससे आम आदमी पर टैक्स का बोझ कम होगा. उन्होंने इसके दिवाली से पहले लागू होने की उम्मीद जताई थी. नई जीएसटी व्यवस्था में कर प्रणाली को सरल बनाने के लिए सिर्फ दो दरें, 5% और 18%, लागू करने का प्रस्ताव है.

अप्रैल 2025 में रिकॉर्ड कलेक्शन

जीएसटी कलेक्शन के अब तक के सबसे बड़े आंकड़े पर नजर डालें, तो ये इस साल अप्रैल महीने में रहा था, जब सरकार के जीएसटी संग्रह से 2.37 लाख करोड़ रुपये की कमाई हुई थी. ये जीएसटी के लागू होने के बाद से अब तक का सबसे ज्यादा कलेक्शन था.गौर करने वाली बात है कि जोरदार जीएसटी कलेक्शन का ये आंकड़ा ऐसे समय में आया है, जबकि 2 दिन बाद जीएसटी काउंसिल की बैठक होने वाली है. इसमें जीएसटी रिफॉर्म के तहत टैक्स स्लैब की संख्या को कम करने, जीएसटी रेट्स को युक्तिसंगत बनाने पर चर्चा होने वाली है.

राजनीति | उदित राज ने नवारो के ब्राह्मण वाले बयान का किया समर्थन

'सही बात, आम भारतीयों को फायदा नहीं'

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. अमेरिका के साथ चल रहे टैरिफ विवाद के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकार पीटर नवारो लगातार भारत विरोधी बयानबाजी कर रहे हैं. अपने ताजा बयान में नवारो ने आरोप लगाया कि रूस के साथ तेल की खरीद से भारत के ब्राह्मण मुनाफा कमा रहे हैं. देश में नवारो की इस बयान की जमकर आलोचना हो रही है और इसे विभाजनकारी बताया गया है. लेकिन कांग्रेस के नेता उदित राज ने पीटर नवारो के बयान का समर्थन किया है.

'ऊंची जाति के कारोबारियों को फायदा'

कांग्रेस नेता उदित राज ने नवारो के इस अजीबोगरीब दावे का समर्थन किया कि भारत के उच्च जाति के कॉरपोरेट घराने रूस से कच्चे तेल की खरीद से मुनाफा कमा रहे हैं. उदित राज ने कहा कि उन्होंने (नवारो) जो कहा वह तथ्यात्मक रूप से सही है. पूर्व कांग्रेस सांसद और दलित नेता उदित राज ने आरोप लगाया कि देश में सिर्फ उच्च जाति के कारोबारी ही रूसी तेल खरीद से फायदा उठा रहे हैं.

कांग्रेस नेता ने कहा,'मैं पीटर नवारो के इस बयान से पूरी तरह सहमत हूं कि रूस से तेल खरीद से ब्राह्मणों को फ़ायदा हो रहा है. यह सच है कि भारत में कॉर्पोरेट घराने बड़े पैमाने पर ऊंची जातियों की ओर से चलाए जाते हैं. वे रूस से तेल खरीदते हैं, उसे रिफाइन करते हैं और बहुत ऊंचे दामों पर बेचते हैं. आम भारतीयों को इससे कोई फ़ायदा नहीं हो रहा है.

उन्होंने अपने बयान में दावा किया कि ब्राह्मण भारतीय लोगों की कीमत पर मुनाफाखोरी कर रहे हैं. व्हाइट हाउस के इस वरिष्ठ अधिकारी ने भारत की व्यापार नीतियों की भी आलोचना की और उसे 'टैरिफ का महाराजा' कहा, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से रूस और चीन के प्रति हाल ही में किए गए प्रयासों पर सवाल उठाए.

भारत को बताया टैरिफ का महाराजा

व्हाइट हाउस के अधिकारी ने फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'भारत टैरिफ का महाराजा है. दुनिया में सबसे ज़्यादा टैरिफ उनके यहां हैं. वे हमें ढेर सारी चीज़ें निर्यात करते हैं, तो, नुक़सान किसे होगा? अमेरिका के मज़दूरों को, करदाताओं को, यूक्रेन के लोगों को. मोदी एक महान नेता हैं. मुझे समझ नहीं आता कि जब भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, तो वह पुतिन और शी जिनपिंग के साथ क्यों घुल-मिल रहे हैं. उन्होंने कहा, मैं भारतीय लोगों से बस इतना ही कहूंगा कि वे समझें कि यहां क्या हो रहा है. ब्राह्मण भारतीय लोगों की कीमत पर मुनाफा कमा रहे हैं और हम चाहते हैं कि यह सब बंद हो.'

पीटर नवारो का बयान सही है

उदित राज ने यह भी दावा किया कि पिछड़ी जातियों और दलितों को देश में कॉर्पोरेट घराने स्थापित करने में 100 साल लगेंगे. उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि देश में पिछड़ी जातियां और दलित, जड़ जमा चुके भेदभाव की वजह से अगले 100 साल में कॉर्पोरेट घराने बना पाएंगे. नवारो ने जो कहा है वह तथ्यात्मक रूप से सही है और कोई भी इससे इनकार नहीं कर सकता. डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी और व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार नवारो का यह बयान भारत पर रूस से तेल खरीदकर यूक्रेन को खिलाफ जंग को फंडिंग करने के आरोप के बाद आया है.

अलीगढ़ में फौजी VS पुलिस!

मारपीट के बाद जमकर हुआ बवाल

राष्ट्रबाण

अलीगढ़. उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में दो फौजी भाइयों और पुलिसकर्मियों के बीच जमकर विवाद हुआ. बताया जा रहा है कि शिकायत लेकर आए फौजी भाइयों की पुलिस चौकी में कहासुनी हो गई थी, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई. फिर पुलिसवाले पीटते हुए फौजी भाइयों को अपने साथ ले गए, बाद में सेना के अधिकारियों के दखल के बाद मामला शांत हुआ.

पूरा मामला अतरौली थाना क्षेत्र का है जहां 30 अगस्त को दो फौजी भाइयों अजीत सिंह व अनिल सिंह और पुलिस-सकर्मियों के बीच कहासुनी हो गई. विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई. इस दौरान एक दारोगा संदीप सिंह और एक सिपाही घायल हो गए. दारोगा की वर्दी फट गई और उन्हें चोटें भी आईं. इसपर पुलिस ने दोनों फौजी भाइयों को हिरासत में ले लिया. जिसके बाद उनके समर्थन में गांववालों ने थाने का घेराव किया और पुलिस-प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाए.

ग्रामीणों ने फौजी भाइयों के समर्थन में 'भारतीय सेना जिंदाबाद' कहते हुए नारेबाजी की.

गौरतलब है कि पुलिस और फौजियों के बीच हुई मारपीट का यह मामला बहुत ज्यादा गरम हो गया था. दिल्ली और मथुरा से सेना के अधिकारी भी थाने पहुंच गए थे. सेना और पुलिस के अधिकारियों के बीच बातचीत हुई. जिसके बाद एसएसपी संजीव सुमन ने इस मामले को शांत कराने के लिए दोनों पक्षों पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया. दरअसल, पुलिस द्वारा फौजी को कंट्रोल करते समय एक पुलिसकर्मी ने उसपर पैर चलाया था, जिस पर फौजियों और उनके समर्थकों ने आपत्ति जताई थी. जब पुलिस फौजी भाइयों को पकड़कर थाने लाई तो ग्रामीणों ने थाने को घेर लिया और नारेबाजी शुरू कर दी. उधर, एसएसपी संजीव सुमन ने बताया कि वीडियो फुटेज के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि विवाद की शुरुआत फौजियों की ओर से हुई थी.

उद्योग और व्यवसाय की ओर कदम बढ़ाएं

पवार ने की युवाओं से बड़ी अपील

राष्ट्रबाण

पुणे. एनसीपी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने युवाओं से अपील की है कि वे केवल खेती पर निर्भर न रहें, बल्कि उद्योग और व्यवसाय की ओर भी कदम बढ़ाएं. उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ सोच बदलने की जरूरत है, क्योंकि तेजी से हो रहे विकास और बढ़ती आबादी के बीच कृषि भूमि लगातार घटती जा रही है.

पुरंदर हवाई अड्डा बदलेगा क्षेत्र की सूरत

पवार रविवार को पुणे जिले के उरुली कंचन ग्राम पंचायत कार्यालय के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि पुरंदर में बनने वाला हवाई अड्डा पूरे क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका निभाएगा.

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने पनवेल की तस्वीर बदल दी, उसी तरह पुरंदर का हवाई अड्डा भी विकास की नई राह खोलेगा.

उन्होंने कहा कि यह हवाई अड्डा भविष्य में इस इलाके का एक प्रमुख स्थान बन जाएगा और यहां उद्योग-व्यवसाय तेजी से पनपेंगे.

पुणे जिले में दिखने लगे बदलाव

पवार ने कहा कि पुणे जिले के जुन्नार, अंबेगांव और हवेली तालुका में बदलाव पहले से ही नजर आने लगा है. उन्होंने युवाओं से कहा कि आने वाली पीढ़ी के लिए सोच बदलनी होगी. सिर्फ खेती पर टिके रहना काफी नहीं होगा, बल्कि नए अवसरों का फायदा उठाते हुए उद्योग और व्यापार में भी आगे आना होगा.पवार ने साफ कहा कि समय के साथ बदलाव जरूरी है. उन्होंने कहा, "हमें भी बदलना होगा. अगली पीढ़ी की सोच बदलने की जरूरत है. सिर्फ खेती ही काफी नहीं होगी, हमें उद्योगों और व्यवसायों में भी कदम रखना होगा."

पनवेल जैसा होगा पुरंदर का भविष्य

पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री पवार ने कहा, "हेलीकॉप्टर से मुंबई जाते समय पनवेल के पास एक अलग ही नजारा दिखाई देता है. लोग (नवी मुंबई की ओर) पलायन कर रहे हैं और हवाई अड्डा बनकर तैयार होने पर पुरंदर में भी यही नजारा देखने को मिलेगा."

आरक्षण का क्या परिणाम होगा यह समय ही बताएगा

अमित ठाकरे ने कहा

राष्ट्रबाण

मुंबई. मराठा समुदाय को ओबीसी में से आरक्षण दिलाने के लिए मनोज जारंगे पाटिल के नेतृत्व में 29 अगस्त से मुंबई के आज़ाद मैदान में भूख हड़ताल चल रही है. इस आंदोलन में बड़ी संख्या में मराठा समुदाय के लोग मौजूद हैं और समाज के विभिन्न वर्ग आंदोलनकारियों की मदद के लिए हाथ बढ़ा रहे हैं. राजनीतिक नेता भी इस आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं और कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं ने भी इसमें सक्रिय रूप से भाग लिया है. इसी तरह, अब मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे ने भी मराठा आरक्षण आंदोलन को लेकर अपना रुख स्पष्ट करके मनसे कार्यकर्ताओं को महत्व दिया है.

मराठा प्रदर्शनकारियों की मदद करने की अपील करते हुए, अमित ठाकरे ने मनसे कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और कहा, इस समय राज्य भर से हज़ारों मराठा भाई विरोध प्रदर्शन के लिए मुंबई में इकट्ठा हुए हैं. मराठा आरक्षण का मुद्दा सरकार के हाथ में है, समय बताएगा कि इसका क्या नतीजा निकलता है. लेकिन एक बात तो तय है कि आज यहाँ जो लोग खड़े हैं, वे हमारे भाई हैं.

एमएनएस कार्यकर्ताओं को निर्देश देते हुए अमित ठाकरे ने आगे कहा, #महाराष्ट्र के हर सैनिक से मेरी स्पष्ट अपील है कि ज़रूरत पड़ने पर उन्हें खाना-पानी मुहैया कराएँ. उनके इलाज में कोई दिक्कत न आने दें. उनके रहने-खाने और उनकी सुरक्षा का ध्यान रखें. एक भी मराठा भाई ऐसा न छूटे जिसे लगे कि वह मुंबई में अकेला है. याद रखें, वे हमारे हैं. भले ही उनकी लड़ाई आरक्षण के लिए हो, वे हमारी ज़िम्मेदारी हैं और हम महाराष्ट्र के सैनिक अपनी ज़िम्मेदारी पूरी तरह से निभाएँगे.

ये किसान हैं, मज़दूर हैं, छोटी ज़मीन पर गुज़ारा करने वाले लोग हैं और शिक्षा के लिए संघर्ष कर रहे युवा हैं. दूसरे शब्दों में, ये मराठा समुदाय के हर स्तर के हमारे लोग हैं. हर तरह की ज़िंदगी जी रहे हैं. वे अपने घरों, गाँवों और खेतों से दूर, यहाँ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. उन्हें किसी चीज़ की कमी न हो, उनके बच्चों और माता-पिता को अपने परिवार की चिंता उनकी आँखों में न दिखे, यह हमारी ज़िम्मेदारी है, अमित ठाकरे ने कहा. एक भी मराठा भाई ऐसे न छूटे...

'यह नेहरू जी और इंदिरा की पॉलिसी'

चीन में SCO समिट में भारत के रुख पर सुप्रिया सुले का बड़ा बयान

राष्ट्रबाण

मुंबई. चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की अहम बैठक चल रही है, जिसमें भारत की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए हैं. यह समिट ऐसे समय हो रही है जब वैश्विक स्तर पर आर्थिक और कूटनीतिक तनाव गहराते दिख रहे हैं. इसी बीच, भारत की राजनीति में भी इसकी गूंज सुनाई दी और विपक्ष ने सरकार की विदेश नीति को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी. पुणे से सांसद और एनसीपी (एससीपी) नेता सुप्रिया सुले ने इसे कांग्रेस की पुरानी नीति बताई है.

जवाहरलाल नेहरू की नीति दोहराई जा रही- सुप्रिया सुले

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जिस नीति को लेकर पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी की आलोचना करते थे, आज वही दिशा खुद उनकी सरकार ने पकड़ ली है. उनका कहना है कि रूस, चीन और भारत की संयुक्त भागीदारी कोई नई बात नहीं है, बल्कि यह दशकों पुरानी परंपरा है.

उन्होंने कहा, आपको याद होगा तब URRS था, और रूस, चीन और भारत ये बहुत सारी पॉलिसी में एक साथ काम करते थे और आज फिर वही हो रहा है. जो पॉलिसी पं जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी ने चलाई वही आज ये सरकार भी चला रही है.उन्होंने कहा, "जीरो टॉलरेंस की नीति आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक एजेंडा होना चाहिए."

आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस के संदेश का स्वागत- सुप्रिया सुले

इस बीच पीएम मोदी ने SCO मंच से स्पष्ट संदेश दिया कि भारत आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति पर कायम है. सुप्रिया सुले ने आतंकवाद पर मोदी के बयान का स्वागत किया और कहा कि इस मुद्दे पर भारत की आवाज को वैश्विक मंच पर सुनाना बेहद अहम है. उन्होंने कहा कि यह सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की समस्या है और संयुक्त राष्ट्र समेत कई मंचों पर बार-बार इस पर चर्चा हो चुकी है.

30 साल की बेटी ने पिता की बेरहमी से की हत्या

राष्ट्रबाण

जलगांव.जलगांव जिले के अमलनेर शहर के शिरुद नाका इलाके में , 31 अगस्त की रात साढ़े नौ बजे घरेलू विवाद में एक बेटे द्वारा अपने पिता के सिर पर लोहे के हथौड़े से वार करके हत्या करने की एक चौंकाने वाली घटना घटी. 64 वर्षीय राजेंद्र दत्तात्रय रसाने घायल अवस्था में मृत पाए गए. ऋतिक भामरे ने पुलिस को इसकी सूचना दी. इसके बाद पुलिस निरीक्षक दत्तात्रय निकम, सहायक पुलिस निरीक्षक रवींद्र पिंगले, सपोनी लोखंडे, पुलिस उपनिरीक्षक शरद काकलिज, साधन गायकवाड़, हेड कांस्टेबल लक्ष्मीकांत थिम्पी, मिलिंद सोनार, नितिन मनोरे, विनोद संदनशिव,आदि तुरंत घटनास्थल पर पहुँचे.

इस मस्जिद में 45 सालों से विराजते हैं गणपति बप्पा

हिंदू-मुस्लिम एकता का है प्रतीक

राष्ट्रबाण

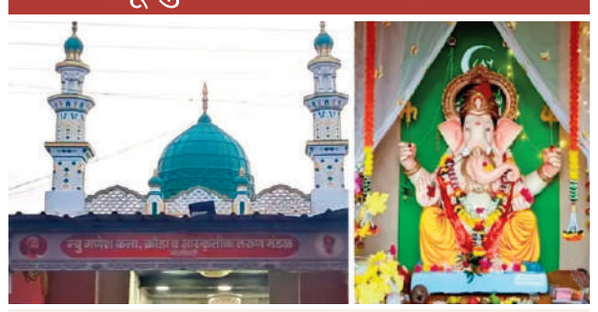

गोटखिंडी. महाराष्ट्र के एक गांव में चार दशक से अधिक समय से एक अनोखा गणेश उत्सव मनाया जा रहा है, जिसमें एक मस्जिद में गणपति बप्पा की मूर्ति स्थापित की जाती है. स्थानीय गणेश मंडल के संस्थापक अशोक पाटिल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अन्यत्र धार्मिक तनाव का सांगली जिले के गोटखिंडी गांव के निवासियों पर कभी असर नहीं पड़ा है.

उन्होंने बताया कि इस गांव की आबादी करीब 15,000 है, जिसमें मुस्लिम समुदाय के 100 परिवार शामिल हैं. मुसलमान भी इस मंडल के सदस्य हैं. वे 'प्रसाद' बनाने, पूजा अर्चना करने और उत्सव की तैयारियों में मदद करते हैं.

पाटिल ने कहा कि तब से यह परंपरा शांतिपूर्वक जारी है और इसमें मुस्लिम समुदाय की सक्रिय भागीदारी है. गांव के झुंझार चौक पर 'न्यू गणेश तरुण मंडल' की स्थापना 1980 में हुई थी. मूर्ति को 10 दिन के उत्सव के लिए मस्जिद में रखा जाता है और फिर अनंत चतुर्दशी के दिन उत्सव के समापन पर स्थानीय जलाशय में विसर्जित कर दिया जाता है.

पाटिल ने बताया कि हर साल गणेश मूर्ति की 'प्राण प्रतिष्ठा' के लिए स्थानीय पुलिस और तहसीलदार को आमंत्रित किया जाता है.

1980 में शुरू हुई थीपरंपरा

पाटिल ने बताया कि यह परंपरा 1980 में शुरू हुई थी, जब भारी बारिश के कारण हिंदू और मुस्लिम समुदायों के सदस्यों ने सांगली जिले के गोटखिंडी गांव में एक मस्जिद के अंदर गणपति की मूर्ति को ले जाने का फैसला किया था.

चतुर्थी पर मुसलमानों ने कुर्बानी से किया परहेज

पाटिल ने बताया कि एक बार बकरीद और गणेश चतुर्थी की तारीखें एक साथ पड़ीं, तो मुसलमानों ने अपना त्योहार केवल नमाज अदा करके और 'कुर्बानी' न देकर मनाया था. उन्होंने कहा कि वे हिंदू त्योहारों के दौरान भी मांस खाने से परहेज करते हैं.उन्होंने कहा कि पूरे देश को यहां के सामाजिक और धार्मिक सद्भाव के वातावरण से प्रेरणा लेनी चाहिए.

फास्ट ट्रैक

सड़क हादसे में वरिष्ठ पत्रकार की मौत

राष्ट्रबाण

बारामती . बारामती में एक तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार को कुचल दिया. जिससे पोती को स्कूल छोड़ने जा रहे दादा की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं, पोती गंभीर रूप से घायल हो गई. घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है. मृतक की पहचान 59 वर्षीय राजेंद्र दिनकर भागवत के रूप में हुई है. वह सतारा जिले के फलटण में वरिष्ठ पत्रकार थे.हादसे का सीसीटीवी भी सामने आया है. जिसमें देखा जा सकता है कि बस काफी स्पीड में थी. जैसे ही राजेंद्र ने पोती को छोड़ने के लिए स्कूल की तरफ बाइक मोड़ी, वैसे ही बस ने उन्हें टक्कर मार दी.

'वोटर अधिकार यात्रा' में संजय राऊत का पीएम मोदी पर तंज

'क्रांति की आवाज चीन तक जानी चाहिए'

राष्ट्रबाण

मुंबई. कांग्रेस, आरजेडी और इंडिया गठबंधन में शामिल अन्य दलों ने सोमवार (1 सितंबर) को पटना के अंबेडकर पार्क में 'वोटर अधिकार यात्रा' के समापन पर रैली की. इस रैली में उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राऊत भी शामिल हुए. संजय राऊत ने इस दौरान बीजेपी पर वोट चोरी का आरोप लगाया और पीएम मोदी का नाम लिए बिना उनको निशाने पर लिया. उन्होंने कहा, "राहुल गांधी और तेजस्वी यादव से इतना ही कहूंगा कि आपने वोट अधिकार यात्रा से क्रांति की मिसाल जलाई है. आपके साथ सिर्फ बिहार नहीं चला, आपके साथ पूरा देश चल रहा था."उन्होंने आगे कहा, "अब हमारे वोट चोरों के सरदार चीन में बैठे हैं, ये क्रांति की आवाज चीन तक जानी चाहिए." बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एससीओ बैठक में हिस्सा लेने के लिए चीन के दौरे पर हैं.

राहुल गांधी-तेजस्वी यादव का मार्च

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के नेता तेजस्वी यादव और 'इंडिया गठबंधन' के कई अन्य नेताओं ने बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' के समापन से पहले सोमवार को पटना में मार्च निकाला. राहुल गांधी और अन्य नेता एक खुले वाहन पर सवार थे और उन्होंने सड़क पर दोनों तरफ मौजूद उत्साही समर्थकों का अभिवादन स्वीकार किया.

टिप्पणी करने से पहले उन्हें पूरी जानकारी जुटानी चाहिए

मराठा आरक्षण पर एकनाथ शिंदे का बड़ा बयान

राष्ट्रबाण

मुंबई. महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलन का आज चौथा दिन हैं. मनोज जरांगे कुनबी समाज समाज के लिए 10% आरक्षण की मांग करते हुए भूख हड़ताल पर बैठ गए है. वहीं आंदोलन बढ़ने के साथ-साथ अब राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है.

आंदोलन के तीसरे दिन (31 अगस्त) उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज ठाकरे पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि मराठा आरक्षण पर टिप्पणी करने से पहले उन्हें पूरी जानकारी जुटानी चाहिए थी.

वहीं, मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे मुंबई के आजाद मैदान में भूख हड़ताल पर डटे हैं और तब तक आंदोलन न छोड़ने का ऐलान किया है, जब तक मराठा समाज को ओबीसी कोटे में आरक्षण नहीं मिलता.

एकनाथ शिंदेने दिया राज ठाकरे को जवाब

सातारा जिले के डेरे गांव में गणेश उत्सव के दौरान पत्रकारों से बातचीत में शिंदे ने कहा कि ठाकरे को यह भी जानना चाहिए कि 2014 से 2019 के दौरान देवेंद्र फडणवीस की सरकार द्वारा दिया गया आरक्षण सुप्रीम कोर्ट ने क्यों रद्द कर दिया, जबकि यह कानून हाई कोर्ट में टिक पाया था.उन्होंने कहा कि जब वह मुख्यमंत्री थे, तब उनकी सरकार ने मराठा समाज को सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा वर्ग (SEBC) श्रेणी के तहत 10 प्रतिशत आरक्षण दिया था.

शिवसेना मंत्रियों का समर्थन

उपमुख्यमंत्री शिंदे, जो शिवसेना के प्रमुख भी हैं, को उनके सहयोगी मंत्रियों उदय सामंत और दादा भुसे का भी समर्थन मिला है. दोनों नेताओं ने दावा किया कि शिंदे के कार्यकाल में न केवल मराठा समाज को 10 प्रतिशत आरक्षण मिला, बल्कि खाली पदों पर नियुक्तियां भी की गईं. उन्होंने कहा कि शिंदे का काम मराठा समाज के लिए ऐतिहासिक रहा है और इसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता. इसके जवाब में राज ठाकरे ने कहा था कि जरांगे का आंदोलन क्यों फिर से भड़का, इसका जवाब सिर्फ शिंदे ही दे सकते हैं, क्योंकि पिछली बार उन्होंने खुद हस्तक्षेप कर मामला सुलझाया था.

गणेशोत्सव पर मेट्रो यात्रियों की संख्या नई ऊंचाई पर

राष्ट्रबाण

पुणे. पुणे मेट्रो में शनिवार को तीन लाख 68 हज़ार यात्रियों ने यात्रा की. मेट्रो के इतिहास में एक दिन में सबसे ज़्यादा यात्रियों का यह नया रिकॉर्ड है; साथ ही, मंडई मेट्रो स्टेशन से सबसे ज़्यादा 56 हज़ार यात्रियों ने यात्रा की. वनाज़ से रामवाड़ी और पिंपरी-चिंचवड़ से स्वर्गेट रूट पर मेट्रो चल रही है. इन रूटों पर पिछले साल गणपति विसर्जन के दिन सबसे ज़्यादा 3 लाख 46 हज़ार यात्रियों ने मेट्रो से यात्रा की थी. इस साल गणपति उत्सव के दौरान पहली बार डिस्ट्रिक्ट कोर्ट से स्वर्गेट रूट पर मेट्रो सेवा शुरू हुई है. इसलिए यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी होना तय है. 30 अगस्त से गणेशोत्सव के दौरान मेट्रो ने रात 2 बजे तक सेवाओं का संचालन शुरू किया था. अतिरिक्त समय मेट्रो सेवा शुरू करने के बाद, पहले ही दिन तीन लाख 68 हज़ार यात्रियों ने मेट्रो में यात्रा की. यात्रियों की यह संख्या अब तक की सबसे ज़्यादा हो गई है. 'महामेट्रो' से मेट्रो सेवा गणेश विसर्जन तक रात 2 बजे तक जारी रहेगी. जबकि, विसर्जन के दिन यह सेवा पूरी रात जारी रहेगी. इसलिए, इस साल मेट्रो में यात्रियों की संख्या एक नए उच्च स्तर पर पहुँच जाएगी; साथ ही, शनिवार को पहली बार पिंपरी-चिंचवड़ से स्वर्गेट मार्ग पर एक दिन में दो लाख यात्रियों ने यात्रा की.

पुल का आज उद्घाटन

छत्रपति संभाजी उद्यान मेट्रो स्टेशन को मेट्रो से जोड़ने वाले नदी पर बने पुल का काम पूरा हो गया है. उस पुल का भार परीक्षण भी हाल ही में किया गया है. इसलिए, आज, सोमवार को, इस पुल का उद्घाटन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस करेंगे. उसके बाद, यह पुल यात्रियों के लिए खोल दिया जाएगा.

मराठा आंदोलन से सड़कें ब्लॉक, स्कूल बंद

पुलिस ने दी एडवाइजरी

राष्ट्रबाण

मुंबई. आजाद मैदान मुंबई में मराठा आंदोलन जारी है. मराठा आरक्षण की मांग को लेकर हो रहा यह प्रदर्शन चौथे दिन भी जारी रहा. हजारों प्रदर्शनकारी आजाद मैदान में धरने पर बैठे हैं. साउथ मुंबई में ट्रैफिक बुरी तरह से ध्वस्त हो गया है. मुंबई में सोमवार को भारी ट्रैफिक जाम हो गया. ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई. परेशानी बढ़ने पर मुंबई पुलिस ने ट्रैफिक को दूसरी तरफ मोड़ दिया. कई बड़े रास्ते बंद कर दिए गए. खासकर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT) के आसपास के रास्ते बंद कर दिए गए.CSMT स्टेशन के बाहर की सड़कें बंद कर दी गई हैं. मरीन ड्राइव और पीडी मेलो रोड पर भारी ट्रैफिक जाम है. आंदोलनकारियों ने क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया लिमिटेड के परिसर में घुसने की कोशिश की. इस इलाके में भी ट्रैफिक जाम हो गया.मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैफिक कम करने के लिए रास्तों को बदल दिया है. CSMT और आसपास के इलाकों में जाने वाले वाहनों को दूसरे रास्तों पर भेजा जा रहा है. जेजे मार्ग के ट्रैफिक को एमआरए मार्ग पुलिस स्टेशन से पुलिस कमिश्नर ऑफिस और मेट्रो सिनेमा जंक्शन की ओर मोड़ा जा रहा है. स्थिति के अनुसार ईस्टर्न फ्रीवे के ट्रैफिक को भी बदला जा सकता है. डीएन रोड पर उत्तर की ओर जाने वाले ट्रैफिक को फैशन स्ट्रीट और मेट्रो सिनेमा की ओर भेजा जा रहा है.CSMT और आसपास के इलाकों में जाने से बचें. जेजे मार्ग का ट्रैफिक एमआरए मार्ग पुलिस स्टेशन से पुलिस कमिश्नर ऑफिस और मेट्रो सिनेमा जंक्शन की ओर मोड़ा जगया है. स्थिति के अनुसार ईस्टर्न फ्रीवे के ट्रैफिक को जेजे मार्ग की ओर मोड़ा गया.

मुंबई के स्टेशन पर भीड़

लोकल ट्रेनें समय पर चल रही हैं, लेकिन CSMT और आसपास के स्टेशनों पर भीड़ बढ़ गई है. इंटरसिटी ट्रेनें भी सामान्य रूप से चल रही हैं. अधिकारियों का कहना है कि स्टेशनों के आसपास ट्रैफिक की वजह से थोड़ी देरी हो सकती है. CSMT में कई कार्यकर्ताओं ने बारिश से बचने के लिए स्टेशन परिसर में शरण ली. रविवार की छुट्टी होने की वजह से स्थिति नियंत्रण में रही. आरपीएफ और जीआरपी के जवान तैनात किए गए थे ताकि व्यवस्था बनी रहे और ट्रेनों का संचालन प्रभावित न हो.

मामला मुंबई में चौथे दिन भी अनशन जारी

सड़कें हुई जाम,BSE ऑफिस में घुसने की कोशिश

राष्ट्रबाण

मुंबई. मराठा आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलनकारी नेता मनोज जरांगे पाटिल आजाद मैदान में चौथे दिन भी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर डटे हुए हैं. उन्होंने सोमवार से पानी पीना भी बंद करने की घोषणा कर दी है. आंदोलन के कारण दक्षिण मुंबई में भारी भीड़ और सड़क बंद होने से ट्रैफिक व्यवस्था को चरमरा गई है. प्रदर्शनकारी सड़कों पर खड़े ट्रकों और डिवाइडरों पर रह रहे हैं. वहीं, मुंबई पुलिस ने कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए 1500 से ज्यादा जवानों को तैनात किया है.

दरअसल, इस आंदोलन को हर दिन पुलिस से अनुमति का विस्तार मिल रहा है और बीते दिन शाम को आज के लिए अनुमति दी गई थी. प्रदर्शनकारी नेताओं ने बताया कि कल के लिए अनुमति के लिए आज शाम तक आवेदन जमा किया जाएगा. जरांगे पाटिल ने साफ कर दिया है कि जब तक मराठा समुदाय को ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण नहीं मिलता, वे पीछे नहीं हटेंगे.

आंदोलन के दौरान मराठा प्रदर्शनकारियों ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के सामने एक इमारत में घुसने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षा गार्डों ने उन्हें रोक दिया. इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने क्षेत्र में 'एक मराठा, लाख मराठा' नारेबाजी शुरू कर दी.

प्रदर्शनकारियों ने कहा,'हम स्टेक होल्डर्स हैं... हमें बीएसई कार्यालय देखने का पूरा अधिकार है... हमारा पैसा यहां डूबा है...हमारा आंदोलन किसी भी चीज को प्रभावित कर सकता है, इसलिए हम बाजार की स्थिति जांचने आए हैं.' इस घटना ने आंदोलन की तीव्रता को और उजागर किया.मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने एक एडवाइजरी जारी कर लोगों से वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने और सीएसएमटी क्षेत्र से बचने की अपील की है. सेंट्रल रेलवे ने भी यात्रियों को सुझाव दिया है कि वे यात्रा के लिए अतिरिक्त समय रखें या संभव हो तो घर से काम करें.

सड़कों पर डटे प्रदर्शनकारी

प्रदर्शनकारी दक्षिण मुंबई की सड़कों पर खड़े ट्रकों में रह रहे हैं. सड़कों के डिवाइडर उनके लिए खाना खाने की जगह बन गए हैं और बारिश ना होने पर उनकी सोने की जगह यही डिवाइडर हैं. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने पास के क्रॉस मैदान को प्रदर्शनकारियों के लिए खोल दिया है, ताकि प्रदर्शनकारी वहां जा सकें.

सड़कों पर भीषण जाम

आंदोलन के कारण मुंबई की यातायात व्यवस्था पर गहरा असर पड़ा है. सायन-पनवेल हाइवे पर सोमवार सुबह से ही जाम की स्थिति देखी गई. शनिवार और रविवार को छुट्टियों के बावजूद यातायात प्रभावित रहा, लेकिन सोमवार को वर्किंग डे होने के कारण स्थिति और गंभीर हो गई. सीएसएमटी, नरीमन पॉइंट, फोर्ट और मरीन लाइन्स जैसे क्षेत्रों में भारी भीड़ और सड़क बंद होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. बीईएसटी बस सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं और कई बसें घंटों जाम में फंसी रहीं.

जल संसाधन मंत्री ने की सीएम से मुलाकात

प्राप्त जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र के जल संसाधन मंत्री और मराठा समुदाय से आने वाले राधाकृष्ण विखे पाटिल (जो मराठा आरक्षण पर कैबिनेट उप-समिति के अध्यक्ष हैं) ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर जरांगे पाटिल की मांगों पर चर्चा की.

विखे ने जोर देकर कहा कि कोई भी फैसला कानूनी रूप से मजबूत होना चाहिए और अदालत की कसौटी पर खरा उतरना चाहिए. उप-समिति जल्द ही जरांगे पाटिल के लिए एक मसौदा प्रस्ताव तैयार करेगी, जिसमें कानूनी पहलुओं पर विचार किया जाएगा.

अजय संग रिश्ते पर बोलीं ईशा

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और ड्रीम गर्ल कहीं जाने वाली हेमा मालिनी की बेटी ईशा देओल आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं है। जानकारी के लिए आपको बता दें कि साल 2000 के दौरान उन्होंने काफी बेहतरीन फिल्में दी थी। लेकिन आपको बता दें कि वह अपनी प्रोफेशनल लाइफ से कहीं ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रही है। ईशा देओल ने पिछले साल अपने पति भरत तख्तानी के साथ में शादी के 11 साल बाद तलाक लिया। और अब उनके एक्स हसबैंड भरत ने मेघना लखानी के साथ अपना रिलेशनशिप कंफर्म किया है।

ऐसे में हम आपको ईशा देओल की लाइफ के उस दौर के बारे में बताने जा रहे हैं जब उनका नाम भी को स्टार के साथ जोड़ा गया था। ईशा देओल ने खुद ही कुछ समय पहले 90 के दशक में अपने अफेयर्स के रुमर्स को लेकर बात की है। एक्ट्रेस ने बताया कि वह अक्सर अपने परिवार की लीगेसी की वजह से हमेशा सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बनी रही है। ईशा देओल ने द क्विंट के साथ में इंटरव्यू के दौरान अजय देवगन के साथ में अपनी डेटिंग को लेकर बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि "तब मेरा नाम कई सारे मेरे को-एक्टर्स के साथ में जोड़ा जाता था। कुछ सच भी हो सकते हैं और कई तो सच नहीं भी है। अक्सर लोग मुझे अजय देवगन के साथ जोड़ने की भी कोशिश करते थे। ईशा देओल ने आगे बात करते हुए बताया कि अजय देवगन के साथ में उनका रिश्ता बहुत ही खूबसूरत और बेहद अलग है। वह उनसे प्यार करती है और उनकी रिस्पेक्ट भी करती है। बताते चलें कि दोनों ने साथ में कई सारी फिल्मों में काम किया है और इसमें युवा से लेकर मैं ऐसा ही हूं जैसी फिल्में शामिल है।

फिर गूंजेगा 'ओम शांति ओम' इस बार बिग बी के संग

महानायक अमिताभ बच्चन कभी ना थमने का नाम हैं. एक्टर 80 साल के पार जा चुके हैं और अभी भी वे फिल्मों और टीवी की दुनिया में सक्रिय हैं. इसके अलावा वे कई सारे विज्ञापनों में भी नजर आते रहते हैं. अब सुपरस्टार एक ऐसे ऐड में नजर आए हैं जिसमें 2 या 4 नहीं बल्कि 11 सितारे हैं. ये ऐड सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. कई सारे लोग तो इसकी तुलना शाहरुख खान की फिल्म ओम शांति ओम से भी कर रहे हैं.

इसके अलावा खास बात ये है कि इस ऐड में ओम शांति ओम का निर्देशन करने वाली एक्ट्रेस फराह खान भी हैं.सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा ये ऐड फ्लिपकार्ट का है. इसमें देखा जा सकता है कि कैसे इन्फ्ल्यूएंसर अरिश्ता मेहता अपने ऑफिस में बैठी हुई हैं और बिग बिलियन डे सेल्स से लाए अपने आइटम्स खोल रही हैं. इस दौरान ही उन्हें पता चलता है कि उन्हें एक इवेंट का हिस्सा बनने के लिए वीवीआईपी एक्सेस मिली है. जब वो इवेंट में शामिल होती हैं तो उन्हें लिफ्ट में अमिताभ बच्चन और आलिया भट्ट मिलते हैं.इसके अलावा जैसे जैसे वे आगे बढ़ती हैं उन्हें वेटर के रोल में कॉमेडियन बासी भी मिलते हैं. फिर उन्हें साउथ एक्ट्रेस श्रीलीला मिलती हैं. इसके अलावा ऐड में अर्चना पूरण सिंह समेत और भी स्टार्स को देखा जा सकता है. इस ऐड में कुल 11 सितारे नजर आ रहे हैं. जो हमें 18 साल पहले रिलीज हुई शाहरुख खान की फिल्म ओम शांति ओम की याद दिला रही है.

सुनील का तंज कपिल को कहा 'गंजा'

कपिल शर्मा के 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के कलाकार अक्सर एक-दूसरे के रूप-रंग को लेकर मजाक करते रहते हैं. वे एक-दूसरे पर दोस्ताना अंदाज़ में चुटकी लेने से नहीं हिचकिचाते, और अब सुनील ग्रोवर के मज़ाक ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. पॉपुलर कॉमेडी शो के दौरान सुनील ग्रोवर ने गंजे लोगों पर मजाक किया. एपिसोड के दौरान, सुनील ग्रोवर ने मज़ाक में कहा कि गंजे लोगों को शैम्पू की ज़रूरत नहीं होती. हालांकि, उन्होंने 'गंजे' शब्द का इस्तेमाल करने के लिए माफ़ी मांगी.जब दूसरों ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए मोटीवेट किया, तो उन्होंने कहा, "हां, यह कौन सा बिलो द बेल्ट है...यह तो कॉलर के ऊपर है." उन्होंने फिर से गंजे लोगों का मज़ाक उड़ाया, लेकिन उन्हें गंजा कहने के लिए फिर माफ़ी भी मांगी. हालांकि, शो के इस सीन को रेडिट पर गलत तरीके से शेयर किया गया है.यह पल रेडिट पर वायरल हो गया है. एक यूज़र ने लिखा, "मैं अभी यह एपिसोड देख रहा था और सुनील ग्रोवर कहते हैं, 'गंजे लोगों (कपिल से सॉरी कहते हुए) को शैम्पू की क्या ज़रूरत है'." इस पोस्ट ने सबका ध्यान खींचा है और फैन्स कमेंट सेक्शन में अपनी राय दे रहे हैं. कुछ रेडिटर्स ने इस पल को गलत समझ लिया है कि सुनील कपिल के बालों के झड़ने पर मजाक कर रहे हैं.

नाइट आउट में दिखीं मलाइका

बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा घर से बाहर निकले और हेडलाइन ना बने क्या ऐसा मुमकिन है। वो भी देर रात मलाइका की ढलती जवानी का कहर जब मुंबई की सकड़ों पर उतरा को हर कैमरा उनकी ओर घूम गया। दरअसल, मलाइका अरोड़ा को देर रात मुंबई में एक रेस्त्रां से बाहर निकलते स्पॉट किया गया। इस दौरान मलाइका का लुक काफी तेजी से वायरल हो रहा है। मलाइका अरोड़ा का लुक इस दौरान इतना ज्यादा बोल्ड था कि नेटिजंस इस दौरान उनकी तस्वीरें और वीडियो देखने के बाद सिर पकड़ने पर मजबूर हो रहे हैं। मलाइका अरोड़ा का लेटेस्ट वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे हद से ज्यादा बोल्ड ड्रेस पहने दिख रहीं है। मलाइका ने इस दौरान डेनिम के साथ ब्रालेट टॉप पहना हुआ है जो कि हद से ज्यादा रिवीलिंग है।

बोल्डनेस का दूसरा नाम मलाइका भला कहां ऐसे डेयरिंग लुक्स से घबराने वाली हैं। ऐसे में उन्होंने इस दौरान पैपराजी को पोज भी दिए और बेहद शालीन तरीके से अपनी गाड़ी की ओर रवाना हो गई। इस दौरान मलाइका किससे मिलने के लिए आई थीं इसका कुछ पता नहीं हैं। हालांकि तमाम लोग 51 की उम्र में उनके इस लुक को काफी ट्रोल कर रहे हैं। तो वहीं काफी सारे यूजर्स उनकी इस फिटनेस और डेयरिंग अंदाज के कायल दिखाई दे रहे हैं।

शाहरुख की अधूरी कहानी अब पूरी करेंगी प्रियंका

शाहरुख खान और प्रियंका चोपड़ा की फिल्मों ने फैन्स को खूब इम्प्रेस किया. दोनों की जोड़ी को भी काफी प्यार मिला है. यूं तो दोनों ही स्टार्स को लेकर कई किस्से वायरल हैं, पर अब वो अपनी-अपनी बड़ी फिल्मों पर काम कर रहे हैं. जहां बच्चों के करियर के साथ ही शाहरुख खान को 'किंग' पर काम करना है. वहीं दूसरी ओर प्रियंका चोपड़ा भी जल्द इंडियन सिनेमा में वापसी कर रही हैं. वो इस वक्त राजामौली की एसएसएमबी 29 के शूट में बिजी हैं. इसी बीच शाहरुख खान की बंद पड़ी फिल्म की कहानी में प्रियंका ने क्या दांव खेला है.हाल ही में एक न्यूज वेब साइट पर प्रियंका के अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर जानकारी सामने आई. जिसके मुताबिक, एक्ट्रेस ने अपने बैनर पर्पल पेबल पिक्चर्स के बैनर तले एक प्रोजेक्ट की शुरुआत की है. यह एक इंडियन-स्वीडिश प्रोजेक्ट है. बतौर एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर वो 'द साइकिल ऑफ लव' नाम की डॉक्यूमेंट्री से जुड़ गई हैं. लेकिन शाहरुख खान की फिल्म से इसका कैसा कनेक्शन है?दरअसल प्रियंका चोपड़ा अपने प्रोडक्शन हाउस के साथ जिस प्रोजेक्ट से जुड़ी है, वो शाहरुख के चलते चर्चा में हैं. इस फिल्म का कनेक्शन लंबे समय से बंद पड़ी बॉलीवुड पिक्चर 'इजहार' से है. इस कहानी पर संजय लीला भंसाली 2013 में एक फीचर फिल्म बनाने की प्लानिंग कर रहे थे. जिसमें शाहरुख खान पीके महानंदा की भूमिका निभा रहे थे. एक इंडियन, जिसके पास मुट्ठी भर पेंटब्रश और एक सैकंड हैंड रैले साइकिल थी. वहीं इसी के साथ प्रेमिका को ढूंढने एशिया और यूरोप की जर्नी पर निकल पड़ते हैं.

'परमसुंदरी' को पछाड़ गई ये गुजराती ब्लॉकबस्टर

अगस्त में रिलीज हुई दो फिल्मों से जैसी उम्मीद थी, वो वैसा कारोबार नहीं कर सकी. जहां ऋतिक रोशन की 'वॉर 2' वाईआरएफ की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्म साबित हुई. तो वहीं दूसरी ओर रजनीकांत की 'कुली' में एक ठीक-ठाक कहानी है. पर लोकेश कनगराज जैसी फिल्में बनाते हैं, उस हिसाब से बेस्ट तो नहीं है. अब उन दोनों ही फिल्मों के बाद सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की 'परमसुंदरी' रिलीज हो गई है.

जिसने 2 दिन में ठीक कमाई कर ली है. लेकिन अगर ये गुजराती फिल्म न होती, तो सिद्धार्थ की फिल्म और अच्छा कमाई कर सकती थी. जानिए कैसे सबकुछ वश में कर लिया गया है.'परमसुंदरी' के अलावा गुजराती फिल्म 'वश लेवल 2' को भी काफी पसंद किया जा रहा है. पहली वाली फिल्म 'वश' से इस बार डर का लेवल कहीं ज्यादा है. अब क्योंकि वश के हिंदी रीमेक 'शैतान' को लोगों ने अच्छा रिस्पॉन्स दिया था. तो इस बार सीधा ये गुजराती फिल्म देखने लोग थिएटर पहुंच रहे हैं. जानिए किस फिल्म ने कितना कारोबार किया? 'परमसुंदरी' ने दूसरे दिन 9 करोड़ कमाए हैं. जो पहले दिन की तुलना में ज्यादा है. पर वीकेंड में और अच्छा कलेक्शन हो सकता था. क्योंकि अगर संडे को भी कमाई ऐसी ही रही, तो मामला गड़बड़ा सकता है. पहले दिन फिल्म ने 7.25 करोड़ का बिजनेस किया था. इसी के टोटल भारत से 16.25 करोड़ का कारोबार कर लिया गया है. हालांकि, 'परमसुंदरी' में सिद्धार्थ और जान्हवी कपूर की जोड़ी को पसंद किया जा रहा है. खासकर सिद्धार्थ के नए अंदाज की काफी तारीफ की गई है.

नो एंट्री 2 से बाहर हुए दिलजीत दोसांझ

काफी लंबे समय से 'नो एंट्री 2' की खूब चर्चा हो रही है. स्टारकास्ट भी फाइनल हो गई थी. वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ एक साथ इस फिल्म में नजर आने वाले थे. हालांकि, अब ऐसा नहीं होने वाला है, क्योंकि दिलजीत अब इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं. चलिए आपको पूरा मामला बताते हैं.दरअसल, इसके पीछे की वजह है दिलजीत के पास समय न होना. एक रिपोर्ट की मानें तो प्रोड्यूसर बोनी कपूर और डायरेक्टर अनीस बज्मी इसी साल अक्टूबर से इस फिल्म की शूटिंग शुरू करना चाहते हैं. हालांकि, शूटिंग डेट दिलजीत के इंटरनेशन टूर से क्लैश हो रहा है.26 अक्टूबर से 13 नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया और न्यजीलैंड में दिलजीत कॉन्सर्ट करने वाले हैं. इसके अलावा दिलजीत के लाइनअप में कुछ और फिल्में भी हैं. ऐसे में 'नो एंट्री 2' के लिए उनके समय नहीं है. रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि फिल्म से अलग होने का फैसला दिलजीत और मेकर्स के बीच आपसी सहमति से हुआ है.जुलाई के महीने में पहली बार दिलजीत के इस फिल्म से अलग होने की खबर आई थी. उसके बाद शेड्यूल को लेकर बोनी कपूर ने उनसे मुलाकात भी की थी, क्योंकि उनकी इच्छा है कि दिलजीत इस फिल्म का हिस्सा हों. हालांकि, बात नहीं बन पाई.

राष्ट्रबाण
विदर्भ VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

तापमानः नागपुर, अधिकतम 30.6°C न्यूनतम 25.0°C
नागपुर, मंगलवार 2 सितम्बर 2025

'TOD' मीटर लगाने पर छूट का प्रलोभन?

सुबह 9 से शाम 5 बजे के बीच बिजली का इस्तेमाल करने पर कम दरें

राष्ट्रबाण

अकोला. महावितरण ने स्पष्ट किया है कि घरेलू उपभोक्ताओं को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे के बीच बिजली का इस्तेमाल करने पर कम दरें चुकानी होंगी. हालाँकि, इसके लिए TOD मीटर अनिवार्य कर दिए गए हैं. बिजली विशेषज्ञ इस बात की आलोचना कर रहे हैं कि उपभोक्ताओं को 'TOD' मीटर लगाने पर छूट का प्रलोभन दिया जा रहा है.

महावितरण ने घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट 'TOD' मीटर लगाने का अभियान शुरू किया है. महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग ने अगले 5 वर्षों के लिए निर्धारित बिजली शुल्क में घरेलू उपभोक्ताओं के लिए दैनिक बिजली खपत में 80 पैसे से 1 रुपये प्रति यूनिट की छूट की घोषणा की है. तदनुसार, घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 'TOD' के अनुसार बिजली शुल्क में छूट का वास्तविक लाभ 1 जुलाई से शुरू हुआ. इसके माध्यम से उपभोक्ताओं का अपनी बिजली खपत पर सीधा नियंत्रण भी होगा. 'टाइम ऑफ डे' प्रणाली के अनुसार, बिजली खपत की अवधि के अनुसार दरें ली जाती हैं. सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली उपभोक्ता घर में कई उपकरणों का खूब इस्तेमाल करते हैं. इसमें महावितरण ने दावा किया कि 'TOD' मीटर से उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ होगा. महावितरण ने 2025 से 2030 तक पाँच वर्षों के लिए घरेलू उपभोक्ताओं के लिए दिन के समय (TOD) के अनुसार सस्ती बिजली दरों का प्रस्ताव आयोग को सौंपा था.

अकोला सर्कल में 1.14 लाख उपभोक्ता

महावितरण के टीओडी मीटर वाले घरेलू ग्राहकों के लिए सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे के बीच खपत की गई बिजली पर 1 जुलाई, 2025 से टॉड छूट लागू की गई है. महावितरण ने बताया कि अकोला सर्कल में 'टीओडी' मीटर लगवाने वाले एक लाख 14 हज़ार 296 घरेलू ग्राहकों को जुलाई और अगस्त महीने में अपने बिजली बिलों पर 15 लाख 25 हज़ार रुपये की छूट.

फास्ट ट्रैक

रामदासपेठ पुलिस स्टेशन की सीमा में बेचा जा रहा था गोमांस

राष्ट्रबाण

अकोला. विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को सूचना मिली कि रामदास पेठ पुलिस स्टेशन की सीमा में उत्तम चंद प्लॉट, न्यू तापड़िया नगर में बड़ी मात्रा में गोमांस बेचा जा रहा है. इस सूचना के आधार पर, कार्यकर्ताओं ने तुरंत रामदास पेठ पुलिस से संपर्क किया और पुलिस कर्मियों और कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से उस क्षेत्र में छापा मारा. मौके से 100 से 150 किलोग्राम गोमांस जब्त किया गया. पुलिस ने घटनास्थल पर मांस बेचने वाले व्यक्ति को भी हिरासत में लिया. ज़ब्त किए गए मांस और आरोपी को पुलिस स्टेशन लाया गया है. रामदास पेठ पुलिस आगे की जाँच और कार्रवाई कर रही है. इस कार्रवाई के बाद इलाके में काफ़ी हलचल मच गई है.

स्थानीय निवासियों के अनुसार, कुछ दिनों से इस इलाके में संदिग्ध गतिविधियाँ देखी जा रही थीं. आखिरकार विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की शिकायत के बाद मामला सामने आया. पुलिस ने कहा है कि गोमांस की बिक्री क़ानूनन अपराध है और आरोपियों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

जरांगे के बाद बच्चू कडू के कर्जमाफी आंदोलन से सरकार चिंतित !

राष्ट्रबाण

अमरावती. मुंबई में जहाँ मनोज जरांगे पाटिल का आंदोलन अन्य पिछड़ा वर्ग में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की माँग को लेकर चल रहा है, वहीं प्रहार जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष बच्चू कडू ने कर्जमाफी आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है. बच्चू कडू ने चेतावनी दी है कि 28 अक्टूबर को मुंबई में लाखों लोग एकत्रित होकर धरना देंगे. यह सरकार के लिए एक नया सिरदर्द बनने की संभावना है.

बच्चू कडू ने किसानों की कर्जमाफी, सभी प्रकार के कृषि उत्पादों के लिए उत्पादन लागत के आधार पर डेढ़ गुना उत्पादन मूल्य की गारंटी, कृषि श्रमिक कल्याण निगम की स्थापना, सभी कृषि आदानों पर जीएसटी से छूट, गाँव स्तर पर किसानों के लाभ के लिए फसल बीमा योजना, खाद-बीज की जाँच के लिए गाँव स्तर पर प्रयोगशाला की स्थापना आदि जैसी प्रमुख माँगों के लिए संघर्ष करने का निर्णय लिया है. इसके लिए किसान-खेत मजदूर अधिकार संघर्ष समिति का गठन किया गया है. 28 अक्टूबर को मुंबई में धरना दिया जाएगा. इसकी तैयारियाँ की जा रही हैं. राज्य भर में सभाएँ आयोजित की गई हैं और बच्चू कडू सहित किसान नेता विभिन्न स्थानों पर सभाएँ कर रहे हैं. किसान नेता विजय जावंधिया, महादेव जानकर, डॉ. अजीत नवले, कैलास पाटिल, अनिल घनवट, प्रकाश पोहरे, विट्ठलराजे पवार, विजय कुंभार, काशीनाथ जाधव आदि नेताओं ने बच्चू कडू के इस विरोध प्रदर्शन को मज़बूती दी है.

किसानों की कर्जमाफी को लेकर सरकार पर टालमटोल की नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए, बच्चू कडू ने बाद में पूर्व कृषि मंत्री डॉ. पंजाबराव देशमुख के जन्मस्थान पापल से चिलगावण तक पैदल मार्च निकाला, जहाँ पहली किसान आत्महत्या दर्ज की गई थी. इस पैदल मार्च के दौरान, बच्चू कडू ने सरकार की कड़ी आलोचना की.

बच्चू कडू ने प्रहार संगठन बनाकर किसानों, खेतिहर मजदूरों और विकलांगों के मुद्दों को उठाया. उन्होंने नए तरीके से विरोध प्रदर्शन आयोजित करके सरकार को उनकी मांगों पर ध्यान देने के लिए मजबूर किया. हालाँकि, विधानसभा चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा. महायुति में होने के बावजूद, उन पर विपक्षी राजनीति करने का आरोप लगा. अब, किसानों की कर्जमाफी के विरोध प्रदर्शन के मौके पर, बच्चू कडू ने महायुति सरकार को फिर से चुनौती दी है. राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले के साथ उनका मतभेद चल रहा है. अब, कई लोग यह देखना चाह रहे हैं कि सरकार उनके विरोध के रुख पर क्या कदम उठाती है.

किसानों की एकता बनाए रखने की चुनौती

जाति, धर्म, संप्रदाय और राजनीतिक गुलामी ही एकमात्र कारण हैं जिनकी वजह से किसानों में एकता नहीं बन पाती. व्यवस्था और सरकार इसी स्थिति का फ़ायदा उठाती है. बच्चू कडू का कहना है कि यही स्थिति किसानों की दुर्दशा के लिए ज़िम्मेदार है. हालाँकि विपक्ष कह रहा है कि किसान विरोध प्रदर्शन के लिए एकजुट नहीं हो रहे हैं, लेकिन हम किसानों को एकजुट करेंगे और सरकार को अपनी संगठित शक्ति दिखाएंगे, बच्चू कडू ने दावा किया है. बच्चू कडू ने पिछले जून में किसानों, खेतिहर मज़दूरों और विकलांगों के मुद्दों पर गुरुकुंज मोज़ारी में अन्न बहिष्कार का विरोध प्रदर्शन किया था. उद्योग मंत्री उदय सामंत के सौजन्य से बच्चू कडू ने विरोध प्रदर्शन स्थगित करने का फ़ैसला किया था.

नाले के बहाव में फंसे 2 युवकों की ग्रामीणों ने बचाई जान

सालेकसा तहसील में टला बड़ा हादसा, बाढ़ में बही गाड़ी

राष्ट्रबाण

गोंदिया. जिले की सालेकसा तहसील में बड़ा हादसा टल गया. जांभली गांव के पास से गुजरते समय एक पिकअप वाहन अचानक तेज बहाव में बह गया. सौभाग्य से गाड़ी एक बड़े पत्थर से टकराकर अटक गई, जिससे बड़ा अनर्थ टल गया. इस दौरान स्थानीय नागरिकों की मदद से 2 लोगों को बचाया जा सका.

छत्तीसगढ़ राज्य में हुई मूसलाधार बारिश के कारण महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर स्थित बेवारटोला बांध से भारी मात्रा में पानी छोड़ा गया. इससे गोंदिया जिले के सालेकसा के कई नालों में अचानक बाढ़ जैसे हालात बन गए. इसी दौरान जांभली गांव के पास से गुजरते समय एक पिकअप वाहन अचानक तेज बहाव में बह गया. पुल पार करते वक्त गाड़ी का संतुलन बिगड़ा और सीधे नाले के जोरदार प्रवाह में बहकर आगे निकल गई. हालांकि, गाड़ी एक बड़े पत्थर से टकराकर अटक गई, जिससे बड़ा अनर्थ टल गया. गाड़ी में सवार 2 युवक अंदर फंसे थे और किसी भी क्षण दुर्घटना गंभीर रूप ले सकती थी.

अमरावती में गणेशोत्सव में विभिन्न मंदिरों की प्रतिकृतियां

शिरडी साईं मंदिर, अक्षरधाम मंदिर मनमोहक...

राष्ट्रबाण

अमरावती. हर साल की तरह इस साल भी अमरावती में गणेशोत्सव के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न तीर्थ स्थलों के दर्शन का अवसर मिला है और शहर में सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों द्वारा बनाए गए ऐतिहासिक मंदिरों और भव्य प्रवेश द्वारों के दृश्य मनमोहक बन रहे हैं. कुछ मंडलों द्वारा की गई सजावट भी आकर्षक बनी है.

आजाद हिंद मंडल के 98वें सार्वजनिक गणेशोत्सव में इस साल शिरडी के साईं बाबा मंदिर की प्रतिकृति बनाई गई है. साईं बाबा की मूर्ति, मंदिर का काले पत्थर का गभारा, संगमवारी कठडे, हॉल के बीच में झूमर, नक्काशीदार स्तंभ, सुनहरे कढ़ाई वाले बोर्ड और एक सिंहासन आजाद हिंद मंडल द्वारा बनाए गए हैं. इससे पहले, समूह ने पंढरीची वारी, लासूर मंदिर, श्री कृष्ण लीला, 12 ज्योतिर्लिंग, अक्षरधर मंदिर जैसे विभिन्न दृश्य बनाए हैं.

बुधवारा स्थित नीलकंठ व्यायाम मंडल ने पंढरपुर के विठ्ठल मंदिर की प्रतिकृति बनाई है. अकोला के दीपक पवार और उनके सहयोगियों ने पंढरपुर के विठ्ठल मंदिर की प्रतिकृति के लिए 25 दिनों तक कड़ी मेहनत की. मंदिर की प्रतिकृति में विभिन्न द्वार और संलग्न मंदिर भी शामिल हैं. श्री कृष्णपेठ स्थित गणेशोत्सव मंडल द्वारा एक वर्ष पूर्व पीपल के वृक्ष पर श्री गणेश की मूर्ति उकेर कर स्थायी रूप से स्थापित की गई थी. इस वर्ष इस सृष्टि विनायक के दर्शन हेतु उनके भाई कार्तिकेय के आगमन की अवधारणा पर आधारित सजावट और दृश्य तैयार किया गया है.

खापर्डे बगीचा स्थित नवीन आजाद गणेशोत्सव मंडल ने इस वर्ष आकर्षक सजावट और सज्जा की है. यह गणेशजी विदर्भ के राजा के रूप में प्रसिद्ध हैं.

इस वर्ष शहर के साइंस कोर ग्राउंड स्थित श्री रुक्मिणी गणेशोत्सव मंडल ने अक्षरधाम मंदिर की प्रतिकृति बनाकर उसे सजाया है. लगभग 70 फीट ऊँचा और 40 फीट लंबा-चौड़ा यह मंदिर आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. अक्षरधाम मंदिर का स्वरूप तैयार करने के लिए 50 कलाकारों की एक टीम पिछले दो महीनों से कड़ी मेहनत कर रही है. मंदिर के भीतरी भाग में पुणे के श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई की मूर्ति जैसी गणेश प्रतिमा स्थापित की गई है. कठोरा नाका क्षेत्र स्थित संघर्ष गणेशोत्सव मंडल ने तुलजापुर के तुलजा भवानी मंदिर की प्रतिकृति बनाई है. मंडलों ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की है. विभिन्न समितियों के माध्यम से पार्किंग, भीड़ नियंत्रण और विभिन्न कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है.

जातिवार जनगणना ही आरक्षण विवाद को सुलझाने का एकमात्र तरीका है

ओबीसी अधिकारी-कर्मचारी संघ ने कहा

राष्ट्रबाण

बुलढाणा. महाराष्ट्र में पिछले कुछ वर्षों से मराठा और ओबीसी आरक्षण का मुद्दा गंभीर रूप लेता जा रहा है. विभिन्न न्यायालयीन निर्णयों, आंदोलनों और राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण यह मुद्दा और भी जटिल हो गया है. इसी पृष्ठभूमि में, ओबीसी अधिकारी एवं कर्मचारी संघ ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि जाति-आधारित जनगणना ही आरक्षण विवाद को सुलझाने का एकमात्र वैज्ञानिक तरीका है.संगठन के महासचिव राम वादीभस्मे ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से यह रुख प्रस्तुत किया. आरक्षण का उद्देश्य सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों को न्याय प्रदान करना है. इसलिए राजनीति के बजाय, वास्तविक पिछड़ेपन का वैज्ञानिक और आँकड़ों पर आधारित अध्ययन होना चाहिए. इसके लिए जाति-आधारित जनगणना ही एकमात्र सही तरीका है. जाति-आधारित जनगणना से समाज के प्रत्येक वर्ग की सही संख्या और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति का पता चलेगा. सरकार आरक्षण और अन्य शैक्षणिक एवं रोजगार के अवसरों का वितरण आँकड़ों पर आधारित और निष्पक्ष तरीके से कर सकती है. आज तक उपेक्षित रहे समूहों के पिछड़ेपन को निष्पक्ष रूप से सिद्ध किया जा सकता है. वादीभस्मे ने कहा है कि समाज में उत्पन्न होने वाली भ्रांतियों, अविश्वास और संघर्ष से बचा जा सकता है.संगठन ने सरकार से कुछ अपेक्षाएँ व्यक्त की हैं.

शहर में आवारा कुत्तों का आतंक!

7 महीनों में 15,000 नागरिकों को काटा,मनपा का ढुलमुल रवैया उजागर

राष्ट्रबाण

अमरावती. शहर और ज़िले में आवारा कुत्तों का आतंक दिन-ब-दिन गंभीर होता जा रहा है, जिससे नागरिकों की जान को ख़तरा पैदा हो रहा है. स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सात महीनों में ही 15,000 से ज़्यादा नागरिकों को आवारा कुत्तों ने काटा है. यह आँकड़ा चौंकाने वाला है और नगर निगम की ढुलमुल व्यवस्था की ओर इशारा करता है.

शहर के विभिन्न चौक-चौराहों, खासकर बस स्टैंड, बाज़ारों, सड़कों के किनारे और कॉलोनियों में आवारा कुत्तों के झुंड खुलेआम घूमते नज़र आते हैं. दोपहिया वाहनों पर हमला करने की कई घटनाएँ सामने आ चुकी हैं. इससे वाहन चालकों में डर का माहौल है. कुछ इलाकों में तो नागरिक रात में पैदल चलने की भी हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं.

तकनीकी खराबी के बाद आखिरकार मिली राहत!

एयर एलायंस की अमरावती-मुंबई उड़ान आज से फिर शुरू

राष्ट्रबाण

अमरावती. तकनीकी खराबी के कारण पिछले दस दिनों से स्थगित एयर एलायंस की अमरावती-मुंबई उड़ान सेवा आखिरकार आज से फिर से शुरू हो गई है. विमान में तकनीकी खराबी ठीक होने के बाद सेवा फिर से शुरू हो गई है, जिससे यात्रियों को बड़ी राहत मिली है.

एयर एलायंस की आधिकारिक वेबसाइट पर 1 और 5 सितंबर की तारीखों के लिए बुकिंग शुरू हो गई है. यह सेवा अमरावती के बेलोरा हवाई अड्डे से सप्ताह में तीन बार - सोमवार, बुधवार और शुक्रवार उपलब्ध है.

केंद्र सरकार की क्षेत्रीय हवाई सेवा योजना 'उड़ान' के तहत अमरावती-मुंबई मार्ग पर यह उड़ान सेवा शुरू की गई थी. हालाँकि, कुछ दिन पहले विमान में तकनीकी खराबी आने के कारण यह सेवा अस्थायी रूप से स्थगित कर दी गई थी. इससे यात्रियों को भारी परेशानी हुई थी.

फिलहाल, बुकिंग के लिए यात्रियों की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है और उम्मीद है कि जल्द ही यह सेवा गति पकड़ेगी. यह सेवा स्थानीय व्यापारियों, कारोबारियों और यात्री वर्ग के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो रही है.

मामला प्रदेश अध्यक्ष ने पुलिस अधीक्षक से की मुलाकात

कांग्रेस जिलाध्यक्ष समेत 23 पदाधिकारियों पर अपराध दर्ज

राष्ट्रबाण

बुलढाणा. चिखली पुलिस ने कांग्रेस के ज़िला अध्यक्ष राहुल बोंद्रे समेत 23 पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के ख़िलाफ़ अवैध भीड़ इकट्ठा करके सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने के आरोप में गंभीर मामला दर्ज किया है. इस पर कांग्रेस में रोष व्याप्त है और प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि-मंडल ने आज पुलिस अधीक्षक नीलेश तांबे से मुलाक़ात कर अपना रोष व्यक्त किया.

यह कार्रवाई चिखली के सामाजिक कार्यकर्ता शैलेश गोंधने की शिकायत पर की गई. चिखली समेत पूरे बुलढाणा ज़िले में सभाओं पर प्रतिबंध लागू होने के बावजूद, उन्होंने अवैध भीड़ इकट्ठा की और एक सार्वजनिक बिजली के खंभे पर चढ़कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया. गोंधने ने शिकायत की थी कि उनके द्वारा लगाए गए बोर्ड फाड़ दिए गए और जला दिए गए.

शिकायत के अनुसार, गोंधने ने 31 अगस्त और 1 सितंबर को चिखली शहर में 65 जगहों पर बोर्ड लगाए थे. उन्होंने इन्हें लगाने के लिए नगर-पालिका से आधिकारिक अनुमति ली थी और बिना किसी का नाम लिए 'किसानों से 100 करोड़ रुपये इकट्ठा करने के लिए तोड़ रउवा' लिखे बोर्ड लगाए थे. हालांकि, सुबह करीब साढ़े सात बजे राहुल बोंद्रे, नितिन वाघ, राहुल सवदतकर, रिकी काकड़े, कैलास जंगले, शेखर देशमुख, खलील बागवान, डॉ. इसरार, शिवराज बाबूराव पाटिल, राम जाधव, अमित कोटवे, अतहरुद्दीन काजी, गोकुल शिंगणे और आठ-दस अन्य कार्यकर्ताओं ने बोर्ड को फाड़कर जला दिया. शिकायत में कहा गया है कि बोंद्रे और उनके 22 पदाधिकारियों ने बिना अनुमति के एक अवैध भीड़ इकट्ठा की और एक सार्वजनिक बिजली के खंभे पर चढ़कर नुकसान पहुँचाया, जबकि जिला कलेक्टर के आदेश पर जिले में कर्फ्यू लगा हुआ था. इसी आधार पर बोंद्रे और पदाधिकारियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए.उक्त कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ. हालाँकि, बोंद्रे और अन्य कांग्रेस पदाधिकारियों के खिलाफ विस्फोटक और ज्वलनशील पदार्थों से सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचाने के आरोप में गैर-जमानती मामले दर्ज किए गए हैं. ज्ञापन में कहा गया है कि यह कार्रवाई न केवल निराधार है, बल्कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को भी कमजोर करती है और संविधान के मूल्यों का अपमान करती है.

मामले वापस लें: हर्षवर्धन सपकाल

प्रदेश अध्यक्ष सपकाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने आज पुलिस अधीक्षक नीलेश तांबे से मुलाकात की. पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन सौंपकर मांग की गई कि 'मैं वोट चोरी रोकने के लिए दौड़ रहा हूँ' नामक शांतिपूर्ण कार्यक्रम पर लगे आरोप वापस लिए जाएँ और चिखली थानेदार संग्राम पाटिल को निलंबित किया जाए. बाद में, मीडिया से बात करते हुए, सपकाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की ओर से शांतिपूर्ण मैराथन 'मैं वोट चोरी रोकने के लिए दौड़ रहा हूँ' का आयोजन किया गया था.

प्राचीन कुआँ बना मौत का जाल !

कुआँ देखने गए युवक की गिरने से मौत, वलगाँव में हड़कंप

राष्ट्रबाण

अमरावती. अमरावती जिले के वलगांव में शनिवार सुबह एक बेहद दुखद और झकझोर देने वाली घटना घटी. अकोला जिले के बोरगांव मंजू निवासी शैलेश गोविंद अंभोरे (30) एक प्राचीन कुएँ को देखते समय अपना संतुलन खो बैठे और कुएँ में गिरकर उनकी मौत हो गई. मौत का मुख्य कारण कुएँ में पानी की अधिकता और मृतक को तैरना न आना था.शैलेश अंभोरे अपनी पत्नी और बच्चों के साथ स्टेशनरी बेचने वलगांव आए थे. सुबह करीब 8 बजे वे वलगांव के गणेडिवाल अस्पताल के पीछे पुराने कुएं को देखने गए थे. कुएं के किनारे खड़े होने के दौरान अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वे सीधे पानी में गिर गए. कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई. स्थानीय लोगों ने तुरंत वलगांव पुलिस थाने को इसकी सूचना दी. पुलिस मौके पर पहुँची और बचावकर्मियों को बुलाया गया. बचावकर्मी कुएँ में उतरे, शव को बाहर निकाला और जिला सामान्य अस्पताल ले गए. हालाँकि, डॉक्टरों ने जाँच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया.शैलेश अंभोरे अपने परिवार का पालन-पोषण करने के लिए कड़ी मेहनत करते थे. लेकिन, एक पल की लापरवाही ने पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ गिरा दिया है. वलगांव में हड़कंप मच गया है और नागरिकों में रोष व्याप्त है क्योंकि यह कुआँ दुर्घटनाओं का कारण बनता जा रहा है.

राष्ट्रबाण
नागपुर VISION
|| धर्मो रक्षति रक्षितः ||

नागपुर, मंगलवार, 2 सितम्बर 2025 तापमान: नागपुर, अधिकतम 30.6°C न्यूनतम 25.0°C

शरद पवार, उद्धव की राजनीतिक नौटंकी

मराठा आंदोलन के पीछे इन दोनों का हाथ

महायुति के नेता के आरोप से हड़कंप

राष्ट्रबाण

नागपुर. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मराठा आरक्षण के मुद्दे पर हमेशा निष्पक्ष और कानूनी रुख अपनाया है, वहीं वे मुंबई में भूख हड़ताल के जरिये समाज को गुमराह कर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ नफरत फैलाने की साजिश रच रहे हैं. पीपुल्स रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और महाराष्ट्र लघु उद्योग विकास निगम के उपाध्यक्ष (राज्य मंत्री स्तर) जयदीप जोगेंद्र कवाडे ने शरद पवार और उद्धव ठाकरे के इशारे पर मुंबई में भूख हड़ताल के जरिये मराठा और ओबीसी समुदायों के बीच दरार पैदा करने के राजनीतिक प्रयोग की आलोचना की है.

सरकार मराठा समुदाय के युवाओं को रोजगार, शिक्षा और प्रगति के अवसर सुनिश्चित करने के लिए गंभीर है. हालाँकि, प्रदर्शनकारी भूख हड़ताल और अशांति का माहौल बनाकर समुदाय को गुमराह कर रहे हैं. उनका लक्ष्य समुदाय की प्रगति नहीं, बल्कि अपनी राजनीतिक रोटियाँ सेंकना है. इसे सीधे तौर पर शरद पवार और उद्धव ठाकरे का आशीर्वाद प्राप्त है. पवार जानबूझकर मराठा-ओबीसी समुदाय के बीच दरार पैदा करके महाराष्ट्र में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं. कवाडे ने स्पष्ट रूप से कहा कि फडणवीस द्वारा किया गया आरक्षण वास्तव में समुदाय को लाभान्वित करेगा, क्योंकि यह कानून के दायरे में है.

प्रदर्शनकारी समुदाय की भावनाओं का इस्तेमाल करके उसे गुमराह कर रहे हैं.

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने लगातार ऐसा आरक्षण दिलाने के लिए संघर्ष किया है जो अदालत में टिकेगा. उन्होंने मराठा समुदाय के साथ कभी अन्याय नहीं किया. इसके विपरीत, वे समुदाय के साथ मजबूती से खड़े रहे और आरक्षण को कानूनी बनाने की कोशिश की. लेकिन प्रदर्शनकारी देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ झूठा प्रचार कर रहे हैं और इसके जरिये समुदाय में भ्रम पैदा कर रहे हैं.

इस तरह से समुदाय को गुमराह करना खतरनाक है. आंदोलन में शरद पवार और उद्धव ठाकरे का अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप एक राजनीतिक नौटंकी है और दोनों नेताओं की एक छिपी हुई योजना दिखाई देती है. यह आगामी स्थानीय निकाय चुनावों का लाभ उठाने की उनकी मंशा को दर्शाता है. शरद पवार एक चाणक्य नेता हैं और वे अच्छी तरह जानते हैं कि आरक्षण का मुद्दा कितना जटिल है. लेकिन फिर भी, शरद पवार और उद्धव ठाकरे जानबूझकर मराठा समुदाय को परेशान कर रहे हैं.

चोर नगदी और सोने चांदी के आभूषण लेकर फरार

चोरी के माल की कीमत करीब 2 लाख

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुर की सावनेर तहसील के दहेगांव रंगारी क्षेत्र में चोरों ने घर में घुसकर की वारदात को अंजाम दिया है. अज्ञात चोरों ने बंद घर का ताला तोड़कर नकदी व सोना-चांदी के सारे आभूषण उड़ा कर रफू चक्कर हो गए. खापरखेड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है और आगे की जांच कर रही है. फिर्यादी 37 वर्षीय किशोर वसंतराव कडु हैं जोकि WCL में नौकरी करते हैं.

पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने का वाहनों के माइलेज पर असर ?

गडकरी के बयान के बाद उद्योग विशेषज्ञों से महत्वपूर्ण जानकारी

राष्ट्रबाण

नागपुर. केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में घोषणा की कि भारत आने वाले महीनों में ईंधन में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लेगा. जब से भारत में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल उपलब्ध हुआ है, तब से तरह-तरह की नकारात्मक चर्चाओं ने भी ज़ोर पकड़ लिया है. कहा जा रहा है कि इथेनॉल वाहनों के इंजन को प्रभावित करता है और ईंधन दक्षता या माइलेज को भी कम करता है. हालाँकि, केंद्र सरकार का कहना है कि आम लोगों के बीच भ्रांतियाँ फैलाई गई हैं. अब तेल कंपनियों और उद्योग समूहों ने इस संबंध में एक महत्वपूर्ण बयान दिया है. उन्होंने स्पष्ट रूप से बताया है कि इथेनॉल का वाहनों पर क्या प्रभाव पड़ेगा.

वाहनों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

E20, यानी 20 प्रतिशत इथेनॉल और 80 प्रतिशत पेट्रोल, वाहनों की दक्षता पर कोई गंभीर प्रभाव नहीं डालता है. ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ARAI), तेल कंपनियों और वाहन निर्माताओं ने एक सम्मेलन के माध्यम से स्पष्ट किया कि इस ईंधन का उपयोग सभी प्रकार के वाहनों में सुरक्षित रूप से किया जा सकता है. विशेषज्ञों ने बताया कि दो-तीन वाहन कंपनियों ने दोपहिया और चार पहिया वाहनों का एक लाख किलोमीटर तक परीक्षण किया है और कोई खराबी नहीं आई है. ग्राहकों को आश्वस्त किया गया है कि पुराने वाहनों पर भी इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा. सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने स्पष्ट किया है कि वाहनों की वारंटी में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा. अगर पुराने वाहनों में भी कोई समस्या आती है, तो वारंटी और बीमा मान्य होगा. इसलिए, उपभोक्ताओं को चिंता करने की कोई बात नहीं है.

राष्ट्रीय आंदोलन का मुख्य उद्देश्य क्या है?

मंत्री पंकज भोयर ने कहा

राष्ट्रबाण

नागपुर. मराठा समुदाय का विश्वास जीतने की कोशिश कर रहे मनोज जरांगे 4 दिनों से मुंबई में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. इसके साथ ही, महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों से मराठा बंधु मुंबई आ रहे हैं. यह विरोध प्रदर्शन आज़ाद मैदान इलाके में चल रहा है और मराठा बंधु बड़ी संख्या में छत्रपति शिवाजी महाराज रेलवे स्टेशन पर रुक रहे हैं. इससे स्थिति और बिगड़ रही है, यह जानकारी गृह राज्य मंत्री पंकज भोयर ने एक संवाददाता सम्मेलन में दी. बाहुबली पंकज भोयर ने कहा कि जब से मुंबई में मराठा आंदोलन शुरू हुआ है, तब से जनजीवन प्रभावित हुआ है. मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है. इसके अलावा, इस शहर की आबादी भी बहुत है. इस जाम के कारण नागरिकों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है. हमारी एक सहयोगी मुंबई लोकल ट्रेन है जो रेलवे स्टेशन से होकर गुजरती है और एक यात्रा का खर्च वहन करती है. आंदोलनकारियों को कोई समस्या नहीं है, लेकिन ऐसा नहीं है.

आंदोलन सरकार द्वारा विरोध को दबाने का एक प्रयास भी है. लेकिन, मुख्यमंत्री नए लोगों को निशाना बना रहे हैं. यह उपयुक्त नहीं है. इसके विपरीत, इसने मराठा समुदाय को नुकसान पहुंचाया है. सारथी और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से युवाओं को समाज में रोजगार प्रदान किया गया है. उन्हें व्यावसायिक उत्कृष्टता से मदद मिली है. दूसरी ओर, समुदाय के साथ मिलकर काम किया है. आज भी झटका नहीं देना चाहिए, मुख्यमंत्री ने खुद ऐसे कप्तान दिए हैं. इसलिए, सरकार मजबूती के साथ खड़ी है, ऐसा भोयर ने भी कहा. प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व सांसद रामदास तड़स, सुनील मेंढे, विधायक कृष्णा खोड़पे, विधायक विनोद दटके, विधायक समीर मेघे आदि मौजूद थे.

फास्ट ट्रैक

मिशन रेबीज़ के तहत एंटीरेबीज़

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुर शहर में आज से मिशन रेबीज़ कार्यक्रम के तहत एंटीरेबीज़ टीकाकरण अभियान की शुरुआत की गई. इस विशेष मुहिम में 28 सितम्बर 2025 तक करीब 20,000 कुत्तों को टीका लगाया जाएगा.

जानकारी के अनुसार, इस अभियान में 20 पशु-प्रेमी फीडर्स ने अपने पालतू एवं देखरेख में रहने वाले कुत्तों के टीकाकरण के लिए जारी पर जाकर पंजीकरण कराया है. स्वास्थ्य विभाग और पशु चिकित्सा टीमों ने संयुक्त रूप से इस कार्य की रूपरेखा तैयार की है. अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने पालतू कुत्तों को समय पर टीकाकरण कराकर शहर को रेबीज़ मुक्त बनाने में सहयोग करें.

बावनकुले ने सड़क के सीमेंटीकरण का किया शिलान्यास

दाभा चौक से सुलोचना गायकवाड़ के घर तक बनेगी

राष्ट्रबाण

नागपुर. राज्य के राजस्व मंत्री एवं नागपुर के पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने श्रीपूर्णानगर में दाभा चौक से सुलोचना गायकवाड़ के घर तक महत्वपूर्ण सड़क के सीमेंटीकरण कार्य का शिलान्यास किया. कार्यक्रम में विधायक विकास ठाकरे, नगर आयुक्त एवं प्रशासक डॉ. अभिजीत चौधरी, अतिरिक्त आयुक्त वैष्णवी बी., पूर्व विधायक सुधाकर कोहले, नगर निगम की सहायक आयुक्त स्नेहलता कुंभार, पूर्व महापौर मायाताई इवेनाटे, पूर्व नगरसेवक संदीप जाधव, पूर्व नगर-सेवक परिणीता फुके, दर्शनी धवड़, नरेश बर्डे, साधना बर्डे, विक्रम ग्वालवंशी, नरेंद्र ग्वालवंशी, साधना ग्वालवंशी, प्रो. गिरीश देशमुख, सुनील मौर्य, प्रमोद कौराटी, नगर निगम के कार्यकारी अभियंता मनोज गद्रे, उप अभियंता मोकाड़े, नवघरे सहित अन्य अधिकारी और नागरिक उपस्थित थे. इस अवसर पर मार्गदर्शन देते हुए, पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि वे प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत सभी के लिए आवास योजना के तहत नागरिकों को किफायती घर उपलब्ध कराने के लिए काम करेंगे. इसके अलावा, शहर में एआई तकनीक पर आधारित सीसीटीवी कैमरा निगरानी स्थापित की जाएगी और भविष्य में, उन्होंने यह भी कहा कि सभी संपत्ति मालिकों को घरों के संपत्ति कार्ड दिए जाएंगे.

पूर्व महापौर मायाताई इवानते ने नागरिकों की बढ़ती मांग को देखते हुए यहाँ सीमेंटीकरण कार्य को मंजूरी देने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया. कार्यक्रम का संचालन मनपा जनसंपर्क अधिकारी मनीष सोनी ने किया और आभार व्यक्त किया. इस कार्य से क्षेत्र के नागरिकों को शीघ्र ही एक सुरक्षित और सुविधा-जनक सड़क उपलब्ध होगी. इस कार्य की जिम्मेदारी ठेकेदार मेसर्स द्वारका कंस्ट्रक्शन को सौंपी गई है. इस कार्य के लिए 1,19,74,624 रुपये का कार्यादेश दिया गया है. प्रस्तावित सड़क जिसका शिलान्यास किया गया है, 600 मीटर लंबी और 9 मीटर चौड़ी है. सीमेंटीकरण के साथ-साथ यहाँ मानसून नालियों का निर्माण भी किया जाएगा. दाभा चौक से वाडी तक जाने वाला यह मार्ग काफी व्यस्त रहता है और सीमें-टीकरण के बाद यह यातायात के लिए अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक हो जाएगा.

ठेकेदार ने नागपुर में की आत्महत्या,संगठन नाराज

शशांकडे के 30 से 40 करोड़ रुपये समाप्त हो गए

राष्ट्रबाण

नागपुर. राज्य लोक निर्माण विभाग (पीडी. ब्लू. डी.) इटाढ़ी संभाग विभिन्न निर्माण विभागों से संबंधित 89 हजार करोड़ के कार्यों को पूरा करने के बाद भी ठेकेदार को भुगतान नहीं कर रहा है. इसी के चलते कुछ महीने पहले एक ठेकेदार ने आर्थिक तंगी के चलते आत्महत्या कर ली थी. अब सप्तम माह के प्रथम दिन (1 सितंबर 2025) को नागपुर में एक ठेकेदार ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. ठेकेदार संगठन इसको लेकर नाराज है.

पी. वी. वर्मा निजीकरण वर्मा (पचास) रा. राज नगर नागपुर में लोक निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों में काम करते हैं. रोम के झूलूक पर उनका 30 से 40 करोड़ रुपये बकाया है. वह प्रतिदिन संबंधित विभाग में आते हैं और उन्हें पता चलता है कि सरकार से पैसा नहीं लाया गया है. दूसरी बात यह है कि उस वर्ष की यात्रा के दौरान, साहित्य उद्योग और व्यापार और व्यावसायिक गतिविधियों का उद्देश्य पूरा होता है. आपको लगता है कि आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है. वह दिन-ब-दिन तनाव में रहते थे. उसी में उन्होंने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. पुलिस जाँच ही इस आत्महत्या का कारण है.

संगठन का उद्देश्य क्या है?

राज्य में किसान आत्महत्या कर रहे हैं, अब सरकार की लापरवाह नीतियों के कारण ठेकेदार भी आत्महत्या करने लगे हैं. सरकार पर राज्य के ठेकेदारों का 89 हज़ार करोड़ रुपये से ज़्यादा बकाया है.

नगर निगम की 'एक तारीख, एक घंटा साथ' पहल को मिली सहज प्रतिक्रिया

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुर नगर निगम के अमृत वर्ष के अवसर पर, स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ नागपुर के निर्माण हेतु नगर निगम और नागपुर स्मार्ट सिटी तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के सहयोग से माह के पहले दिन क्रियान्वित की जा रही अभिनव पहल 'एक तारीख, एक घंटा, साथ' को सहज प्रतिक्रिया मिली.

नगर आयुक्त एवं प्रशासक डॉ. अभिजीत चौधरी के मार्गदर्शन और अपर आयुक्त वसुमना पंत के नेतृत्व में, सोमवार को नगर निगम के सभी दस जोनों में 'एक तारीख, एक घंटा, साथ' पहल क्रियान्वित की गई. नगर निगम के अमृत जयंती वर्ष के अवसर पर, स्वच्छता विभाग द्वारा प्रत्येक जोनों में सफाई की गई.

लोकनिर्माण विभाग पर था करोड़ों रुपये का बकाया

आर्थिक तंगी से परेशान होकर कांट्रेक्टर ने की आत्महत्या

राष्ट्रबाण

नागपुर. राज्य में ठेकेदारों का बकाया एक गंभीर मुद्दा बना हुआ है. पिछले कई समय से राज्य के सभी सिविल कांट्रेक्टर बकाया राशि जारी करने की मांग कर हैं. इसी बीच सोमवार को नागपुर शहर में एक दुखद घटना घटी. जहां लोकनिर्माण विभाग के ठेकेदार, पी.वी. वर्मा उर्फ़ मुन्ना वर्मा ने आर्थिक तंगी से परेशान होकर अपने राजनगर स्थित फ्लैट में आत्महत्या कर ली.

शुरुआती जाँच से पता चला है कि वर्मा पर लोक निर्माण विभाग (PWD) का करोड़ों रुपये बकाया था, जिसकी वजह से वे लंबे समय से वित्तीय संकट का सामना कर रहे थे. ठेकेदार के आत्महत्या से शहर में हड़कंप मच गया है. वहीं घटना ने एक बार फिर सिविल कॉन्ट्रैक्टरों के बकाये के मुद्दे को सुर्खियों में ला दिया है.

मिली जानकारी के अनुसार, वर्मा लोकनिर्माण विभाग के बड़े ठेकेदारों में से एक है. नागपुर, गोंदिया सहित विभिन्न जिलों में उनका काम चलता है. इसी के साथ वह नागपुर मनपा हॉटमिक्स प्लांट के भी काम लेकर करते रहे हैं. वह राज नगर स्थित फ्लैट में एकेले रहते थे, वहीं परिवार हैदराबाद में रहते हैं. वर्मा का लोकनिर्माण विभाग पर करीब 30-40 करोड़ रूपये बकाया था. जिसको लेकर वह काफी परेशान रहते थे. लगातार राशि जारी करने की मांग वह पीडब्लूडी प्रशासन से कर रहे थे, लेकिन पैसे जारी नहीं होने के कारण वह आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे.

शुरआती जानकारी के अनुसार, अर्थी तंगी से परेशान होकर सोमवार सुबह साढ़े छह बजे वर्मा ने अपने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. सुबह जब घर का नौकर पहुंचा तो वर्मा अपने कमरे में पंखे से लटके दिखाई दिए. नौकर ने तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी. पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को निचे उतारा. पीडब्लूडी ठेकेदार द्वारा आत्महत्या करने की खबर से हड़कंप मच गया है. वहीं राज्य में ठेकेदारों के बकाया का मुद्दा फिर चर्चा में आ गया है. पुलिस ने शव का पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. वहीं वर्मा के परिवार को भी घटना की जानकारी दे दी है, इसके बाद सभी नागपुर के लिए निकल चुके हैं. पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर जाँच शुरू का दी है.

अपमान | मराठा प्रदर्शनकारियों ने जहाँगीर आर्ट गैलरी में

कलाकारों के सपनों को चकनाचूर कर दिया !

राष्ट्रबाण

नागपुर. हर कलाकार का सपना होता है कि उसकी पेंटिंग्स कम से कम एक बार मुंबई की जहाँगीर आर्ट गैलरी में प्रदर्शित हों. इसके लिए उन्हें सालों इंतज़ार करना पड़ता है. जब यह सपना साकार होता है, तो कलाकार की जीवन भर की मेहनत और तपस्या रंग लाती है. हालाँकि, एक पल में, आंदोलन उनकी तपस्या को विफल कर देता है, उनके सपने चकनाचूर हो जाते हैं, और उस समय कलाकार पूरी तरह से थक जाता है.

मराठा प्रदर्शनकारियों ने इन कलाकारों के सपनों को इस तरह चकनाचूर कर दिया, और कलाकार इस टूटे हुए सपने के साथ अपनी वापसी की यात्रा पर निकल पड़े. मुंबई की जहाँगीर आर्ट गैलरी में चार-पाँच हॉल हैं. उन सभी हॉल में कलाकारों की पेंटिंग्स की एक प्रदर्शनी थी. देश-विदेश के लाखों चित्रकार अपनी पेंटिंग्स यहाँ प्रदर्शित करवाने के लिए अपना जीवन लगा देते हैं. वे सालों इंतज़ार करते हैं. यहाँ पाँच, छह साल इंतज़ार करना पड़ता है. यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि जहाँगीर आर्ट गैलरी में प्रदर्शनी के लिए जगह मिलना किसी भी कलाकार के जीवन की सफलता का समीकरण है. कुछ दोस्तों ने दस साल पहले अपनी कलाकृतियों के लिए गैलरी पाने के लिए प्रबंधन से आवेदन किया था.

10 साल बीत गए, जब तक कतार में लगे कलाकारों की संख्या पूरी नहीं हो गई और आखिरकार प्रदर्शनी की तारीख अगस्त 2025 के आखिरी हफ्ते में तय हुई. भारत में सबसे ज़्यादा कला प्रेमी और पेंटिंग्स के खरीदार मुंबई स्थित जहाँगीर आर्ट गैलरी में आते हैं. देश-विदेश के कला प्रेमी यहाँ से करोड़ों की पेंटिंग्स खरीदते हैं. कोई भी कलाकार खाली हाथ घर नहीं लौटता. पेंटिंग्स की असली कीमत इसी गैलरी में है. हालाँकि, इन कलाकारों की किस्मत में कुछ और ही लिखा था. प्रदर्शनी के दिनों में ही मराठा आरक्षण के लिए प्रदर्शनकारियों का एक तूफ़ान मुंबई में आ गया. मुंबई में प्रदर्शनकारियों की भारी भीड़ के कारण, जहाँगीर आर्ट गैलरी आने वाले कला प्रेमियों और पेंटिंग्स के खरीदारों के रास्ते अचानक बंद हो गए और उनकी जगह मराठा प्रदर्शनकारियों ने गैलरी में शरण ले ली.

शांति से भावनाओं के खेल का अनुभव कर रही गैलरी की चार दीवारें, कार्यकर्ताओं के नारों की कर्कश आवाज सुनने में मुश्किल हो रही थीं, और प्रशंसकों के बजाय प्रदर्शनी कार्यकर्ताओं से भर गई थी. दस साल का इंतजार पल भर में खत्म हो गया. रंग बेरंग हो गए. भारी नुकसान उठाने के बाद प्रदर्शनी को सचमुच समेटना पड़ा. वे अपने सपनों को समेटे हुए घर लौट आए. वे चारों हॉल में दाखिल हुए. हमने उन्हें समझाने की बहुत कोशिश की. दरअसल, शनिवार और रविवार हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं. लेकिन अब कोई विकल्प नहीं है, एक निराश कलाकार ने कहा. काफी प्रयास के बाद, हम में से कुछ कलाकारों ने जहांगीर आर्ट गैलरी में अपनी प्रदर्शनी का आयोजन किया था. हालाँकि, गैलरी में आंदोलनकारियों के धरने के कारण, हमारी प्रदर्शनी को बीच में ही बंद करना पड़ा. इसके कारण, हमें और हमारी कलाकृतियों को सही प्रतिक्रिया और अवसर नहीं मिल सका. जहांगीर आर्ट गैलरी में एक प्रदर्शनी का आयोजन हर कलाकार के लिए एक बड़ा अवसर होता है. इसलिए इन कलाकारों ने अनुरोध किया है कि कृपया हमारी भावनाओं पर विचार करें और हमें एक बार फिर गैलरी में अपनी प्रदर्शनी आयोजित करने का अवसर प्रदान करें.

माओवादियों की तुलना स्वतंत्रता सेनानियों से

महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी की विवादित टिप्पणी

राष्ट्रबाण

नागपुर. महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी ने विवादित टिप्पणी करते हुए माओवादियों की तुलना देश को आजादी दिलाने वाले क्रांतिकारियों से की है. सोमवार को नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए गांधी ने कहा कि, जैसे स्वतंत्रता सेनानियों ने अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन किया था, वैसे ही नक्सली अपनी सामाजिक और आर्थिक आज़ादी के लिए संघर्ष कर रहे हैं.

गांधी इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर 29 सितंबर से दो अक्टूबर के दौरान संविधान सत्य गृह का आयोजन किया है.

इसके तहत नागपुर के दीक्षाभूमि से लेकर सेवाग्राम तक पैदल यात्रा निकाली जाएगी. गांधी ने यात्रा की जानकारी देते हुए कहा कि, इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य देश सामजिक सौहार्द, संविधान की रक्षा सहित संस्कृति को बचाने के लिए निकाली जा रही है. चार दिनों की इस यात्रा में 100 किलोमीटर की यात्रा तय की जाएगी. गांधी ने जानकारी देते हुए कहा कि, नागपुर सहित वर्धा के दौरान चार सभा भी की जाएगी. जिसमें शरद पवार, राहुल गांधी या कांग्रेस का बड़ा नेता शामिल होंगे.

यू मुंबा ने शूटआउट में गुजरात जायंट्स को 6-5 से हराया

नई दिल्ली. प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन के दूसरे दिन खेले गए रोमांचक मुकाबले में यू मुंबा ने गुजरात जायंट्स को शूटआउट में 6-5 से मात दी। निर्धारित समय तक दोनों टीमों ने 29-29 की बराबरी बनाई थी, जिसके बाद लीग स्तर पर पहली बार लागू हुए शूटआउट में मुंबा ने बाजी मारी। सीजन के पहले दिन भी एक शूटआउट मुकाबला खेला गया था, जिसमें पुनेरी पलटन ने बेंगलुरू बुल्स को हराया था। लीग स्तर पर शूटआउट लागू करने का मकसद मुकाबलों को निर्णायक बनाना और अंक तालिका को साफ-सुथरा रखना है।

ऐसे निकला शूटआउट का नतीजा

हरीश कामची ने पहली रेड पर गुजरात को एक अंक दिलाया लेकिन अजीत चौहान ने दो अंक के साथ मुंबा को 2-1 से आगे कर दिया। फिर गुजरात के लिए राकेश रेड पर आए लेकिन जफर ने अंक लुटा दिए। स्कोर 2-2 हो गया था। इसके बाद जफर ने हालांकि अपनी रेड पर शादलू को निशाना बनाकर मुंबा को 3-2 से आगे कर दिया। फिर हिमांशु सिंह ने स्कोर 3-3 कर दिया। अब मुंबा के लिए अनिल रेड पर आए और बोनस के साथ स्कोर 4-3 कर दिया। अगली रेड पर हिमांशु जगलान को लपक मुंबा ने 5-3 की लीड ले ली। मुंबा के लिए रोहित अगली रेड पर आए लेकिन वह लपक लिए गए। स्कोर अब 4-5 हो गया था। गुजरात के लिए अंतिम रेड शादलू की थी। कप्तान सुनील एक अंक देने को तैयार थे लेकिन शादलू दो अंक लेना चाहता था। इस क्रम में वह आउट हो गए। इस तरह मुंबा ने यह मुकाबला अपने नाम कर लिया। इससे पहले, अपना पहला मैच खेल रही दोनों टीमों ने सावधान शुरुआत की। चार मिनट की समाप्ति तक स्कोर 3-3 था। गुजरात की टीम थोड़ा बेहतर कर रही थी क्योंकि पांच मिनट बीतते-बीतते उसने मुंबा को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। मुंबा ने हालांकि इस स्थिति का फायदा उठाया और दो अंक के साथ लीड ले ली। 10 मिनट के बाद मुंबा 7-6 से आगे थे। ब्रेक के बाद स्कोर 7-7 हुआ। मुंबा पर आलआउट का खतरा था लेकिन अजीत चौहान ने मल्टीप्वाइंटर के साथ एक रिवाइवल लेकर इले टाल दिया। हालांकि मुंबा जल्द ही ऑल आउट हुए और गुजरात ने 12-10 की लीड ले ली। आलइन के बाद हिमांशु ने सुनील और परवेश को बाहर कर मुंबा को तगड़ा झटका दिया। 15 मिनट बाद गुजरात 14-11 से आगे थे।

गुजरात ने अपने छठे टैकल प्वाइंट के साथ फासला 5 का किया। मुंबा के लिए फिर सुपर टैकल आन था। लोकेश ने अहम मुकाम पर शादलू के लपक न सिर्फ आलआउट टाला बल्कि स्कोर 14-16 कर दिया। इसके बाद मुंबा ने एक और अंक लेते हुए हाफ टाइम तक स्कोर 15-16 कर दिया। हाफटाइम के बाद हालांकि मुंबा ने स्कोर बराबर कर लिया लेकिन गुजरात ने लगातार दो अंक के साथ लीड फिर 2 की कर ली। कोई भी टीम जोखिम नहीं लेना चाह रही थी। यही कारण था कि मैच डू ओर डाई पर चल रहा था। इस बीच शादलू ने परवेश को आउट करते हुए स्कोर 18-18 कर दिया। गुजरात ने हालांकि एक बार फिर पकड़ मजबूत करते हुए फासला 3 का कर लिया। अब मुंबा के लिए सुपर टैकल आन था। मैच अब भी डू ओर डाई पर चल रहा था और अहम मुकाम पर रोहित ने राकेश का सुपर टैकल कर 30 मिनट के बाद स्कोर 21-23 कर दिया। ब्रेक के बाद राकेश ने डू ओर डाई रेड पर लोकेश का शिकार कर मुंबा को ऑल आउट की ओर ढकेल दिया। अनिल ने हालांकि शुभम को छकाकर एक रिवाइवल ले लिया। फासला 2 का था। मुंबा ने हालांकि एक और सुपर टैकल के साथ 25-24 की लीड ले ली।

प्रधानमंत्री मोदी ने चेतेश्वर पुजारा को लिखी चिट्ठी

संन्यास के बाद जीवन की नई पारी के लिए दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में संन्यास लेने वाले पूर्व इंटरनेशनल क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा को लेटर लिखकर जीवन की दूसरी पारी के लिए शुभकामनाएं दी हैं. चेतेश्वर पुजारा ने 24 अगस्त को भारतीय क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया था. चेतेश्वर पुजारा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए PM मोदी का धन्यवाद किया. मोदी ने चेतेश्वर पुजारा के खेल की तारीफ की है और उन्हें एक शानदार क्रिकेटर बताया.

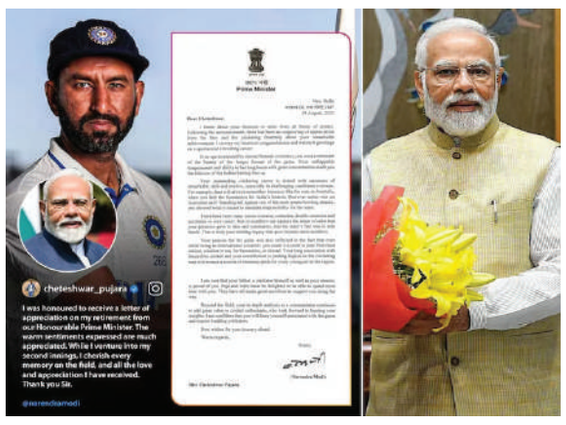

पीएम मोदी ने चेतेश्वर पुजारा को लिखा लेटर, शानदार करियर के लिए दी बधाई

पीएम मोदी ने चेतेश्वर पुजारा को शानदार क्रिकेट करियर के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं. पीएम मोदी ने लिखा, 'मुझे क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने के आपके फैसले के बारे में पता चला. ऐलान के बाद, आपकी उपलब्धियों के बारे में फैंस और क्रिकेट जगत की ओर से सराहना की लहर दौड़ गई है. मैं शानदार क्रिकेट करियर के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं.' पीएम मोदी ने आगे लिखा, 'क्रिकेट के छोटे फॉर्मेट के बोलबाले वाले युग में, आप खेल के लंबे फॉर्मेट की सुंदरता की याद दिलाते थे. आपके स्वभाव और ज्यादा एकाग्रता के साथ लंबे समय तक बल्लेबाजी करने की क्षमता ने आपको भारतीय बल्लेबाजी क्रम का आधार बना दिया. आपका उत्कृष्ट क्रिकेट करियर उल्लेखनीय कौशल और संकल्प के पलों से भरा है, खासकर विदेशों में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में. उदाहरण के लिए, फैंस ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट जैसे उदाहरणों को हमेशा याद रखेंगे, जब आपने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर भारत की पहली ऐतिहासिक सीरीज जीत की नींव रखी थी! सबसे शक्तिशाली गेंदबाजी में से एक के खिलाफ खड़े होकर, आपने दिखाया कि टीम के लिए जिम्मेदारी उठाने का क्या मतलब है.' पीएम मोदी ने कहा, 'मुझे यकीन है कि आपके पिता, जो खुद एक क्रिकेटर होने के साथ-साथ आपके गुरु भी हैं.

सेमीफाइनल से पहले टीम को झटका

कप्तान एशिया कप टीम में चुने जाने के कारण टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली. भारतीय घरेलू क्रिकेट में चल रही प्रतिष्ठित दलीप ट्रॉफी 2025 अब अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले 4 सितंबर से शुरू होने वाले हैं, लेकिन उससे पहले एक बड़ी खबर सामने आई है। एक शीर्ष टीम को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि उसके कप्तान को एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम में चयनित किया गया है और इसी कारण वे अब दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भाग नहीं ले पाएंगे। सूत्रों के मुताबिक, संबंधित खिलाड़ी को हाल ही में भारतीय सीनियर टीम में शामिल किया गया है और वे अब एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया के साथ जुड़ेंगे। चयनकर्ताओं द्वारा एशिया कप के लिए किये गए इस चयन ने दलीप ट्रॉफी में उनकी उपलब्धता को प्रभावित किया है। टीम मैनेजमेंट ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए नए कप्तान का ऐलान कर दिया है। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज तिलक वर्मा दलीप ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं. उनकी जगह केरल के बल्लेबाज मोहम्मद अजहरुद्दीन को दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में साउथ जोन का नया कप्तान नियुक्त किया गया है. तिलक वर्मा को आगामी एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है, जिसके कारण वे से बाहर हो गए हैं. साई किशोर हाल ही में हुए बुची बाबू ट्रॉफी में भी नहीं खेल पाए थे, क्योंकि उनकी हाथ की चोट अभी पूरी तरह ठीक नहीं हुई है.

साउथ जोन के उपकप्तान थे, अब टीम की कमान संभालेंगे. उनकी जगह उपकप्तानी का जिम्मा तमिलनाडु के एन. जगदीशन को सौंपा गया है. इसके अलावा, साउथ जोन को एक और झटका लगा है, क्योंकि तमिलनाडु के बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर चोट के कारण सेमीफाइनल

डीपीएल 2025 में चमके नीतीश राणा

बोले – मेरी ताकत का सोर्स हनुमान चालीसा है

नई दिल्ली. दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2025 में शानदार प्रदर्शन कर रहे क्रिकेटर नीतीश राणा इन दिनों चर्चा में हैं और इसकी वजह सिर्फ उनका बल्ला ही नहीं, बल्कि उनके हालिया बयान और एक ऑन-फील्ड विवाद भी है। राणा ने 24 घंटे के भीतर दो विस्फोटक पारियां खेलकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

24 घंटे में नीतीश राणा ने खेली दो धमाकेदार पारी

नीतीश राणा ने डीपीएल 2025 में बैक टू बैक खेले दो मुकाबलों में दो धमाकेदार पारी खेली. इसमें एक में तो उन्होंने तूफानी शतक जड़ा. वहीं दूसरे मैच में तेज-तर्रार 45 रन बनाए. बड़ी बात ये रही कि इन दोनों ही मैचों में नीतीश राणा नाबाद ही लौटे. 24 घंटे में पहले एलिमिनेटर और फिर क्वालिफायर टू जीतकर नीतीश राणा की टीम वेस्ट दिल्ली लायंस डीपीएल 2025 के फाइनल में पहुंचने में कामयाब रही.

इस कामयाबी के बाद दैनिक जागरण को दिए इंटरव्यू में नीतीश राणा ने कहा कि उनकी ताकत का राज हनुमान चालीसा है. ये बजरंग बली की ताकत है कि वो डीपीएल में अपनी पहली सेंचुरी ठोकने में कामयाब रहे. और, फिर उसे फाइनल में भी पहुंचाने में कामयाब रहे. उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी के दौरान एक वक्त पर मैंने एक अलग तरह की एनर्जी महसूस की. मैं छक्के लगाने की कोशिश नहीं कर रहा था. मैं बस नेचुरल गेम खेल रहा था. नीतीश राणा की बातों से तो यही लगता है कि उन्होंने कुछ प्रयास नहीं किया. सबकुछ बस होता चला गया. पहले 29 अगस्त को एलिमिनेटर मुकाबले में उन्होंने 202 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के खिलाफ 55 गेंदों ही नाबाद 134 रन ठोके, जिसमें 15 छक्के शामिल रहे. वहीं 30 अगस्त को ईस्ट दिल्ली राइडर्स के खिलाफ खेले क्वालिफायर टू में उन्होंने 140 रन के टारगेट का पीछा करते हुए उन्होंने सिर्फ 26 गेंदों में ही नाबाद 45 रन कूट दिए.

नीतीश राणा से लड़ने वाले दिग्वेश राठी का बुरा हाल

एलिमिनेटर मुकाबले के दौरान नीतीश राणा अगर अपने शतक को लेकर चर्चा में रहे तो दिग्वेश राठी के साथ हुई लड़ाई को लेकर भी. एक तरफ नीतीश राणा जहां तफानी शतक और फिर उसके बाद टीम को फाइनल में पहुंचाकर हीरो बनते दिखे. वहीं दिग्वेश राठी के खराब प्रदर्शन पर कोई विराम नहीं लगा. उनका डीपीएल 2025 में बुरा ही हाल है.

एक बार फिर साथ दिख सकती है 'धोनी-गंभीर' की जोड़ी

नई दिल्ली. टीम इंडिया ने 2011 में 28 साल के बाद वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीता था. इस जीत में सबसे बड़ी भूमिका एमएस धोनी और गौतम गंभीर के बीच हुई साझेदारी थी. इस जोड़ी ने टीम इंडिया के सालों का इंतजार खत्म किया था. अब कई सालों बाद ये जोड़ी एक बार फिर भारत को चैंपियन बनाने के लिए एक साथ आ सकती है, अगर बीसीसीआई का ये प्लान सफल हो जाए. इस वक्त भले ही टीम इंडिया का ध्यान एशिया कप पर हो, लेकिन बीसीसीआई 2026 टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी में जुट गई है. टी20 वर्ल्ड कप 2026 को ध्यान में रखते हुए ही एशिया कप इस बार टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा. अगले साल खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट से पहले एक बड़ा अपडेट सामने आया है. पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और टीम

इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर साथ काम करते हुए नजर आ सकते हैं.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक बार फिर पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम का मेंटॉर बनने का प्रस्ताव दिया है. धोनी ने यूएई में हुए 2021 टी20 वर्ल्ड कप के दौरान मेंटॉर की भूमिका निभाई थी, लेकिन टीम इंडिया का प्रदर्शन काफी खराब रहा था और वह ग्रुप स्टेज से ही बार हो गए थी.

गुटबाज़ी से परेशान थे द्रविड़, बड़ा खुलासा

नई दिल्ली. साल 2024 में टीम इंडिया को टी 20I वर्ल्ड कप का खिताब दिलाने वाले पूर्व हेड कोच राहुल द्रविड़ ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम राजस्थान रॉयल्स से अलग हो गए हैं. उन्होंने टीम के हेड कोच पद से इस्तीफा दे दिया. उनको आईपीएल 2025 में हेड कोच बनाया गया था. इस दौरान टीम का प्रदर्शन काफी खराब रहा था और राजस्थान रॉयल्स 14 में से केवल 4 मैच ही जीत पाई थी. राहुल द्रविड़ के अचानक इस्तीफे की पीछे की बड़ी वजह सामने आई है. रिपोर्ट्स के मुताबिक टीम इंडिया के पूर्व कप्तान टीम में गुटबाजी की वजह से कुछ परेशान थे.

द्रविड़ ने क्यों दिया इस्तीफा?

आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के खराब प्रदर्शन को लेकर जुलाई में आरआर मैनेजमेंट और राहुल द्रविड़ के बीच लंदन में बातचीत हुई

थी. रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐसा माना जा रहा था कि राजस्थान रॉयल्स मैनेजमेंट द्रविड़ को टीम में बड़ा पद देना चाहता था, लेकिन द्रविड़ इसके लिए तैयार नहीं थे. इसके अलावा टीम में चल रही गुटबाजी से भी राहुल द्रविड़ परेशान थे. शायद इसी वजह से वो एक सीजन के बाद ही राजस्थान रॉयल्स से अलग हो गए. इस दौरान ये भी खबर आ रही थी कि आईपीएल 2025 के दौरान ओपनिंग को लेकर संजू सैमसन और राहुल द्रविड़ के बीच मनमुटाव चल रहा था. संजू सैमसन खुद ओपनिंग करना चाहते थे, जबकि राहुल द्रविड़ वैभव सूर्यवंशी को सलामी बल्लेबाज के तौर पर टीम में शामिल करना चाहते थे. शायद इसी वजह टीम का प्रदर्शन इस सीजन में काफी खराब रहा और आरआर पॉइंट्स टेबल में नौवें स्थान पर रही थी. इस दौरान टीम में तीन गुट बन गए, जो अलग-अलग कप्तान बनाने की बात कह रहे हैं.

अब आगे क्या होगा?

राहुल द्रविड़ के जाने के बाद राजस्थान रॉयल्स मैनजमेंट कोच की तलाश में लग गई है. रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें सबसे ऊपर श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा का नाम आ रहा है. संगकारा इस समय टीम के डायरेक्टर हैं. राजस्थान रॉयल्स के ओनर मनोज बडाले ने इसके लिए लंदन में पूरे सहयोगी स्टाफ की एक बैठक बुलाई है, जहां हेड कोच को लेकर कोई फैसला लिया जाएगा. हालांकि अभी ये स्पष्ट नहीं है कि संगकारा इस मीटिंग में मौजूद रहेंगे या नहीं. टीम इंडिया के पूर्व बैटिंग कोच विक्रम राठौर इस मीटिंग में शामिल हो सकते हैं. विक्रम राठौर भी द्रविड़ के साथ ही राजस्थान रॉयल्स के साथ जुड़े थे. अगर संगकारा टीम के हेड कोच बनते हैं तो ट्रेवर पेनी आरआर में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं.

तेलंगाना सरकार का बड़ा फैसला

हैदराबाद. तेलंगाना सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन और प्रोफेसर कोडंडाराम रेड्डी को विधान परिषद (एमएलसी) के लिए नामित करने का निर्णय लिया है। कैबिनेट बैठक में नामों पर मुहर लगाई गई। इस निर्णय को लेकर खेल जगत और राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। इसी बीच, अजहरुद्दीन ने पार्टी हाईकमान का आभार जताया है। मोहम्मद अजहरुद्दीन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "तेलंगाना में राज्यपाल कोटे के अंतर्गत एमएलसी पद के लिए मुझे मनोनीत करने के कैबिनेट के फैसले से मैं बेहद सम्मानित और विनम्र महसूस कर रहा हूं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल को उनके विश्वास और आशीर्वाद के लिए हार्दिक धन्यवाद।" उन्होंने आगे लिखा, 'मैं मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू और कैबिनेट, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश गौड़ और तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराज के मार्गदर्शन और समर्थन के लिए आभारी हूं। मैं ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने राज्य की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।' इससे पहले, तेलंगाना के जुबली हिल्स सीट पर होने वाले उपचुनाव में भी उम्मीदवार के तौर पर अजहरुद्दीन का नाम सामने आया था, लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिला था। हालांकि, राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए पार्टी ने उन्हें अब विधान परिषद भेजने का फैसला लिया है। अजहरुद्दीन 2009 में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से लोकसभा सांसद बने थे। 2014 में उन्हें राजस्थान के टोंक-सवाई माधोपुर से टिकट मिला, लेकिन वे हार गए। 2018 में उन्हें तेलंगाना कांग्रेस का वर्किंग प्रेसिडेंट बनाया गया था। 2023 में उन्हें जुबली हिल्स से टिकट

18 वर्षीय साईराज परदेशी ने रचा इतिहास

कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2025 में जीता गोल्ड

अहमदाबाद. महाराष्ट्र के मनमाड से आने वाले महज़ 18 वर्षीय साईराज परदेशी ने 2025 कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए जूनियर पुरुष 88 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। अहमदाबाद में आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में साईराज ने कुल 348 किलोग्राम वजन (157 किलोग्राम स्नैच और 191 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क) उठाकर नया जूनियर कॉमनवेल्थ रिकॉर्ड भी बना दिया। साईराज का यह प्रदर्शन भारत के लिए गर्व का क्षण रहा, क्योंकि उन्होंने न केवल स्वर्ण पदक जीता, बल्कि जूनियर वर्ग में दोनों श्रेणियों में रिकॉर्ड बनाते हुए अपने कुल वजन के साथ एक नया बेंचमार्क स्थापित किया।

साईराज परदेशी ने रचा इतिहास

साईराज परदेशी भारत के सबसे प्रतिभाशाली युवा खेल सितारों में से एक के रूप में तेजी से उभरे हैं.साइराज का यह प्रदर्शन न केवल उनके लिए, बल्कि भारतीय वेटलिफ्टिंग के लिए भी गर्व का पल है. इस टूर्नामेंट में उनका कुल वजन सीनियर वर्ग के गोल्ड मेडल के विजेता के 347 किलोग्राम से भी एक किलोग्राम ज्यादा रहा, जो उनकी असाधारण क्षमता को बताया है. साईराज ने स्नैच और क्लीन एंड जर्क में नए जूनियर कॉमनवेल्थ रिकॉर्ड स्थापित किए.

कबाड़ बेचने वाले के बेटे हैं साईराज

साईराज परदेशी के पिता कबाड़ बेचने का काम करते हैं. उन्होंने 12 साल की उम्र में 2018 में वेटलिफ्टिंग शुरू की थी. साइराज ने इस साल कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं. उन्होंने मई 2025 में खेलो इंडिया यूथ गेम्स में 81 किलोग्राम वर्ग में तीन नेशनल युवा रिकॉर्ड तोड़े, जिसमें 140 किलोग्राम स्नैच, 172 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क और कुल 312 किलोग्राम शामिल थे. इसके अलावा, 2024 में दोहा में आयोजित एशियाई यूथ और जूनियर वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उन्होंने 310 किलोग्राम (139 किलोग्राम स्नैच + 171 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क) उठाकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था. साईराज परदेशी ने ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद कहा, 'शुरुआत में मेरा लक्ष्य रिकॉर्ड बनाना या एक बार में एक लिफ्ट लेना नहीं था, लेकिन जैसे-जैसे प्रतियोगिता आगे बढ़ी, मैंने अपनी क्षमता के अनुसार अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का दृढ़ संकल्प लिया. मैं अपने परिवार, कोचों और सरकार को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं. मैं ओलंपिक खेलों में मेडल जीतने वाला भारत का पहला पुरुष खिलाड़ी बनना चाहता हूं. कर्णम मल्लेश्वरी और मीराबाई चानू पहले ही ऐसा कर चुकी हैं, लेकिन किसी कारण से भारतीय पुरुषों ने मेडल नहीं जीत पाए हैं. मैं इसे बदलना चाहता हूं.

बाबर आज़म का ऑलराउंड शो

लाहौर. पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज़ बाबर आज़म ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे क्यों देश के सबसे भरोसेमंद क्रिकेटरों में से एक हैं। हाल ही में 30 अगस्त को पेशावर में खेले गए एक प्रदर्शनी टी20 मुकाबले में उन्होंने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम पेशावर जाल्मी को जीत दिला दी। यह मुकाबला लेजेंड्स XI के खिलाफ खेला गया, जिसकी अगुवाई पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक कर रहे थे। यह मैच खैबर पख्तूनख्वा स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट और स्थानीय सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य बाढ़ प्रभावितों के लिए वित्तीय सहायता जुटाना था। मुकाबला 15-15 ओवर के फॉर्मेट में खेला गया और इसमें पाकिस्तान क्रिकेट के कई पूर्व और वर्तमान दिग्गजों ने हिस्सा लिया।

अब सवाल है कि मुकाबले में हुआ क्या? तो इस मुकाबले में पेशावर जाल्मी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 14.4 ओवर में 144 रन बनाए. पेशावर जाल्मी के लिए सबसे ज्यादा रन उसके कप्तान

बाबर आजम ने बनाए. ओपनिंग करने उतरे बाबर आजम को शोएब अख्तर, वकार यूनुस जैसे दिग्गज पेसर का सामना करना पड़ा. बाबर ने उनकी गेंदों को बड़ी मुस्तैदी के साथ ठिकाने लगाया.बाबर आजम ने अपनी इनिंग में सिर्फ 23 गेंदों का सामना किया और उस पर 41 रन बनाए. इस स्कोर के साथ वो अपनी टीम के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. बाबर ना तो अख्तर की गेंद पर आउट हुए ना ही वकार उन्हें छका सके. दाएं हाथ के बल्लेबाज बाबर आजम सईद अजमल की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए.

बाबर आजम के 23 गेंदों पर बनाए 41 रन की बदौलत पेशावर जाल्मी ने लेजेंड्स इलेवन के सामने 145 रन का लक्ष्य रखा. इस टारगेट का पीछा करते हुए लेजेंड्स XI की टीम 6 विकेट पर 138 रन ही बना सकी और सिर्फ 6 रन से मुकाबला हार गई.

लेजेंड्स XI की हार की मुख्य वजह उसके टॉप के 6 बल्लेबाजों की नाकामी रही. लेजेंड्स XI की ओर से सबसे ज्यादा रन उसके कप्तान इंजमाम उल हक ने बनाए.

इंजमाम ने 200 की स्ट्राइक रेट से 23 गेंदों पर नाबाद 46 रन ठोके. वहीं अजहर महमूद ने 200 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 15 गेंदों में नाबाद 34 रन बनाए.